PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

दैनिक

भीम प्रज्ञा

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'विश्वास टूटने पर दुख होता है, लेकिन वही टूटन हमें यह सिखाती है कि असली ताकत दूसरों में नहीं, अपने आत्मबल में होती है।'

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-129 | झुंझुनू (राजस्थान) | शुक्रवार, 3 अप्रैल, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

'विश्वास की दरारों से विजयी व्यक्तित्व तक: जब कश्ती उथले पानी में डूबती है '

'मुझे तो अपनों ने लूटा, गैरों में कहां दम था... मेरी कश्ती तो वहां डूबी, जहां पानी कम था।' यह पंक्ति केवल एक भावनात्मक अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि जीवन के उस कटु यथार्थ का सशक्त चित्रण है, जहां सबसे बड़ा आघात बाहर से नहीं, भीतर से आता है। हिंदी सिनेमा की कालजयी फिल्म दीवार में यह भाव जिस गहराई से उभरता है, वह आज भी हर उस व्यक्ति के जीवन में प्रतिध्वनित होता है, जिसने अपने ही लोगों से ठोकर खाई हो।

समाज के वर्तमान परिदृश्य में यह विडंबना और अधिक तीव्र रूप में दिखाई देती है। परिवार, मित्रता, सामाजिक और व्यावसायिक संबंध–इन सभी का आधार विश्वास होता है। किंतु जब यही विश्वास दरकता है, तो व्यक्ति केवल संबंध नहीं खोता, वह अपनी आंतरिक स्थिरता भी खो बैठता है। आश्चर्य इस बात का नहीं कि धोखा मिला, बल्कि इस बात का होता है कि जिन पर आंख मूंदकर भरोसा किया, वही विश्वासघात के कारण बन गए। मैं यहां बोलूंगा तो फिर कहोगी कि बोलता है। यह प्रश्न स्वाभाविक है कि आखिर अपने ही लोग क्यों आहत करते हैं? इसका उत्तर मानव मनोविज्ञान में छिपा है। प्रतिस्पर्धा, असुरक्षा, तुलना और अहंकार–ये चार तत्व मिलकर रिश्तों की नींव को कमजोर कर देते हैं। जब किसी एक व्यक्ति की उन्नति दूसरों को अपनी कमी का अहसास कराती है, तब वह प्रेरणा बनने के बजाय ईर्ष्या का कारण बन जाती है। यही ईर्ष्या धीरे-धीरे दूरी, अविश्वास और अंततः विश्वासघात में बदल जाती है। परंतु जीवन का सार केवल इन विडंबनाओं में उलझना नहीं, बल्कि उनसे ऊपर उठना है। जब कश्ती उथले पानी में डूबती है, तब यह संकेत होता है कि खतरा गहराई में नहीं, सतह के भ्रम में छिपा था। यही वह क्षण होता है, जब व्यक्ति को अपने भीतर झांकने की आवश्यकता होती है। आत्मविश्लेषण इस यात्रा का पहला और सबसे महत्वपूर्ण चरण है। विश्वासघात के बाद भावनाएं उफान पर होती हैं, निर्णय धुंधले हो जाते हैं और सोचने की क्षमता प्रभावित होती है। ऐसे समय में ठहरना, स्वयं से प्रश्न करना और परिस्थितियों का निष्पक्ष मूल्यांकन करना आवश्यक होता है। यह प्रक्रिया व्यक्ति को टूटने से बचाकर उसे समझदार बनाती है। इसके बाद आता है आत्मनिर्भरता का मार्ग। जब सहारे छूटते हैं, तब व्यक्ति को यह एहसास होता है कि उसकी वास्तविक शक्ति उसके भीतर ही निहित है। दूसरों पर निर्भर रहने के बजाय जब वह अपने कौशल, परिश्रम और संकल्प पर भरोसा करना सीखता है, तभी उसका व्यक्तित्व निखरता है। यही आत्मनिर्भरता उसे भीड़ से अलग पहचान दिलाती है।

विश्वासघात से उत्पन्न पीड़ा को यदि सही दिशा दी जाए, तो वह ऊर्जा का स्रोत बन सकती है। यह पीड़ा व्यक्ति को या तो तोड़ देती है या उसे असाधारण बना देती है–निर्णय व्यक्ति के हाथ में होता है। यदि वह इस दर्द को अपनी कमजोरी बनने देता है, तो वह पीछे रह जाता है; लेकिन यदि वह इसे अपने लक्ष्य की आग बना देता है, तो वही व्यक्ति नई ऊंचाइयों को छूता है। एक और महत्वपूर्ण पक्ष है–संबंधों की पुनर्संरचना। हर अनुभव हमें सिखाता है कि कौन हमारे साथ खड़ा है और कौन केवल अवसर का साथी है। इसलिए जरूरी है कि हम अपने दायरे को सीमित लेकिन सशक्त बनाएं। कम लोग हों, लेकिन सच्चे हों–यही जीवन की वास्तविक पूंजी है। इन सबके बीच सबसे बड़ा सहारा होता है धैर्य और जज्बा। संघर्ष का मार्ग कभी आसान नहीं होता। इसमें असफलताएं, निराशाएं और अकेलापन–सब कुछ शामिल होता है। लेकिन जो व्यक्ति इन परिस्थितियों में भी अपने लक्ष्य से विचलित नहीं होता, वही अंततः सफलता का स्वाद चखता है। आज जब समाज में संबंधों की परिभाषा बदल रही है, तब यह आवश्यक हो गया है कि व्यक्ति भावनात्मक रूप से मजबूत बने। विश्वासघात को अंत नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत के रूप में देखे। यह वह बिंदु है, जहां से व्यक्ति अपने जीवन को नए दृष्टिकोण से देख सकता है, अपनी प्राथमिकताओं को पुनः निर्धारित कर सकता है और अपने व्यक्तित्व को एक नई दिशा दे सकता है।

अंततः, 'कश्ती का डूबना' एक हार नहीं, बल्कि एक संदेश है–यह समझने का कि हमें अपने जीवन की दिशा स्वयं तय करनी होगी। दूसरों के भरोसे चलने वाली यात्रा कभी स्थायी नहीं होती। जब व्यक्ति अपने आत्मबल, अपने संकल्प और अपने कर्म पर विश्वास करता है, तब कोई भी विश्वासघात उसे रोक नहीं सकता। इसलिए, जब जीवन में यह एहसास हो कि 'अपनों ने लूटा,' तब इसे अपनी कहानी का अंत न बनने दें। इसे अपनी शक्ति का प्रारंभ बनाएं। क्योंकि इतिहास गवाह है–सबसे मजबूत वही बनते हैं, जिन्होंने सबसे गहरे घाव सहे हैं। संघर्ष की भट्ठी में तपकर ही व्यक्तित्व कुंदन बनता है, और वही व्यक्ति अंततः समाज के लिए प्रेरणा बनता है।

SI भर्ती परीक्षा को लेकर एसओजी अलर्ट फर्जीवाड़ा रोकने के लिए बढ़ाई निगरानी

नकल गैंग की सूचना पर मिलेगा 1 लाख इनाम

भीम प्रज्ञा न्यूज

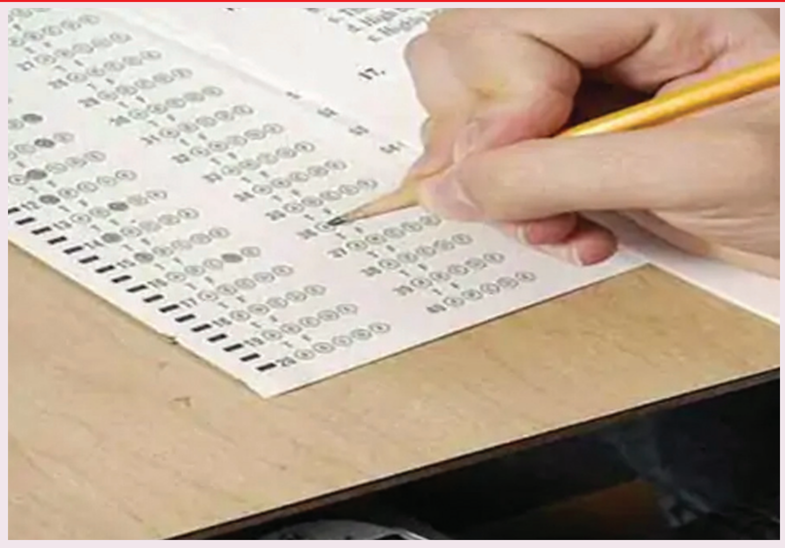

जयपुर । सब इंस्पेक्टर भर्ती-2025 की परीक्षा 5 और 6 अप्रैल को राज्यभर में आयोजित होगी। SI भर्ती परीक्षा को लेकर राजस्थान पुलिस सहित सभी एजेंसियां अलर्ट मोड पर आ गई है। एसओजी की ओर से फर्जीवाड़ा व नकल रोकने के लिए निगरानी बढ़ा दी गई है। नकल गिरोह की सूचना देने पर एसओजी की ओर से 1 लाख रुपए का इनाम रखा गया है। एडीजी (एसओजी) विशाल बंसल ने बताया- आगामी 5 व 6 अप्रैल को नई सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा होगी। राजस्थान के 26 जिलों के 41 शहरों में 1174 एग्जाम सेंटर पर 7.70 लाख कैंडिडेट एग्जाम में बैठेंगे। एसओजी, पुलिस सहित अन्य सभी एजेंसिया अलर्ट मोड पर है। पेपर लीक और नकल गिरोह से जुड़े सभी बदमाशों पर निगरानी बढ़ा दी गई है। इस संबंध में पुलिस मुख्यालय से एक एसओजी भी जारी की गई है। परीक्षा के दौरान एग्जाम सेंटर्स के आस-पास संचालित फोटो कॉपी की शॉप और साइबर कैफे बंद रहेंगे।

सादावर्दी में तैनात जवानों की ओर से सभी संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जाएगी। प्रदेश में संदिग्ध वाहनों की चैकिंग शुरू की गई है, जो एग्जाम तक जारी रहेगी। प्रश्न पत्रों की जिला ट्रेजरी में डबल लॉक में रखे जाएंगे। जहां पर विशेष सुरक्षा के इंतजाम किए जा रहे है। परीक्षा केन्द्रों पर भीड़ नियंत्रण के लिए अतिरिक्त फोर्स तैनात होगी। नकल गैंग की सही सूचना देने पर 1 लाख रुपए का इनाम दिया जाएगा। इस संबंध में किसी भी प्रकार की सूचना एसओजी के वॉट्सऐप नंबर- 9530429258 पर दी जाएगी। सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

सलूनी मेले में 11 हजार कामड़ा कुश्ती गोलू पहलवान ने जीती

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण, निस । बाबा भैया सलूनी का मेले में अनेक खेल-कूद प्रतियोगिताए व भंडारा हुआ है। मुख्य अतिथि फैजाबाद चौकी इंचार्ज नवीन कुमार व विशिष्ट अतिथि समाज सेवी अजय कुमार ने गांव के सरपंच राजकुमार व मेला मेला कमेटी के सदस्यों ने विजेता टीमों व खिलाडियों को पुरस्कृत किया।

मेले में 11 हजार कामड़ा कुश्ती गोलू पहलवान ने जीती इसके अलावा 51 सौ रुपए की दो कुश्तियां हुई जिसमें एक बराबरी पर छूटी जबकि दूसरी में गणियार के अभिषेक विजयी रहे। बालीबाल में प्रथम बहल की टीम को 31 हजार व द्वितीय मकडना को 21 हजार रुपए का नकद पुरस्कार दिया गया। कबड्डी में प्रथम शहरपुर को 21 हजार व द्वितीय ताउ देवीलाल स्टेडियम गुरुग्राम को 11 हजार रुपए का पुरस्कार दिया गया। इस मौके पर विजेताओं को सम्मानित करते हुए मुख्य अतिथि फैजाबाद चौकी इंचार्ज नवीन कुमार ने कहा कि खेलों शारीरिक विकास के साथ मानसिक विकास होता है। ग्रामीण आंचल में प्रतिभाओं को कोई कमी नहीं है। गांवों में मेलों के आयोजन से छिपी हुई प्रतिभाओं को सामने आने का मौका मिलता है।मंच संचालन विनोद कुमार ने किया। इस मौके पर पूर्व सरपंच अजीत सिंह, पूर्व सरपंच विक्रम सिंह, कप्तान सिंह, विजय सिंह मौजूद रहे। मेले में रेफरी के रूप में नानक सिंह, जोन सिंह, हनुमान सिंह आदि ने अविस्मरणीय निर्णय दिये।

एसपी सिद्धांत जैन ने पुलिसकर्मी के बच्चों की उपलब्धि को सराहा

वर्ल्ड जूनियर वुशु चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर बढ़ाया मान

चीन में आयोजित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में फतेहाबाद के खिलाड़ियों की शानदार उपलब्धि

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस ने जिला पुलिस के उन पुलिसकर्मियों के बच्चों को बधाई दी, जिन्होंने चीन में 24 से 30 मार्च तक आयोजित 10वीं वर्ल्ड जूनियर वुशु चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक हासिल कर देश, प्रदेश और जिले का नाम रोशन किया है। इस अवसर पर बताया गया कि बोधिधर्मा स्पोर्ट्स एकेडमी के खिलाड़ी अन्नू (48 किलोग्राम महिला वर्ग) तथा गौतम (48 किलोग्राम पुरुष वर्ग), जो पुलिसकर्मी के बच्चे हैं, ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन करते हुए ब्रॉन्ज मेडल जीते हैं। उनकी इस उपलब्धि से पूरे पुलिस विभाग में गर्व का माहौल है। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस ने दोनों खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे पुलिस विभाग के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि कठिन परिश्रम, अनुशासन और समर्पण से ही इस प्रकार की सफलता हासिल की जा सकती है। एसपी ने खिलाड़ियों के कोच इंडिया कोच एल. प्रदीप सिंह, वुशु स्पोर्ट्स एसोसिएशन हरियाणा के जॉइंट सेक्रेटरी दिनेश कुमार तथा कोच राकेश कुमार की सराहना करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में खिलाड़ियों ने यह मुकाम हासिल किया है। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग अपने कर्मियों व उनके परिवारों की प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए सदैव प्रोत्साहित करता रहेगा, ताकि युवा खेलों के माध्यम से देश का नाम रोशन करते रहें।

पिलानी के जवान दिनेश कुमार ने शूटिंग प्रतियोगिता में जीते दो सिल्वर मेडल

भीम प्रज्ञा न्यूज.पिलानी।

गांव दूधी निवासी दिनेश कुमार, कांस्टेबल (सशस्त्र सीमा बल) ने राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम रोशन किया है। दिनेश कुमार पुत्र नयनपाल ने गुरुग्राम (हरियाणा) में 22 मार्च से 30 मार्च 2026 तक सीआरपीएफ द्वारा आयोजित 26वीं ऑल इंडिया पुलिस शूटिंग प्रतियोगिता में भाग लिया। इस प्रतियोगिता में उन्होंने 9 एमएम पिस्टल इवेंट के 25 गज और 30 गज वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो सिल्वर मेडल अपने नाम किए। उनकी इस उपलब्धि से विभाग, गांव और जिले में खुशी की लहर है। दिनेश कुमार वर्तमान में सशस्त्र सीमा बल में श्रीनगर (जम्मू-कश्मीर) में तैनात हैं। इस उपलब्धि पर उनके बड़े भाई विकास धतरवाल सहित परिवार के सदस्य राकेश धतरवाल, अभिषेक धतरवाल, जगदीप धतरवाल व सहीराम धतरवाल ने उन्हें बधाई दी। वहीं गांव दूधी में भी उनकी सफलता पर खुशी जताते हुए जश्न मनाया गया। दिनेश कुमार की इस सफलता को युवाओं के लिए प्रेरणादायक बताया जा रहा है।

एचसीएल की यूनियन केटीएसएस ने केंद्रीय श्रम कानूनों के विरोध में मनाया काला दिवस

भीम प्रज्ञा न्यूज.खेतड़ीनगर।

हर्ष स्वामी । हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड (एचसीएल) की यूनियन केटीएसएस द्वारा केंद्रीय श्रमिक संगठनों के आह्वान पर चार श्रम संहिताओं के विरोध में काला दिवस मनाया गया। इस दौरान यूनियन कार्यालय में बैठक आयोजित कर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया और श्रमिक हितों के समर्थन में नारेबाजी की गई। बैठक की अध्यक्षता कामरेड सत्यनारायण गर्मा ने की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यूनियन महासचिव बिडदूराम सैनी ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा बनाए गए श्रम कानून मजदूरों के हितों के विपरीत हैं और इससे श्रमिकों का शोषण बढ़ेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि ये कानून पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से बनाए गए हैं। सैनी ने कहा कि नए श्रम कानूनों के तहत ठेका कामगारों के स्थायीकरण और समान काम के लिए समान वेतन जैसी व्यवस्थाओं को कमजोर किया गया है, जो श्रमिक वर्ग के लिए नुकसानदायक है। उन्होंने श्रमिक एकता बनाए रखने और अपने अधिकारों के लिए संघर्ष जारी रखने का आह्वान किया। इस अवसर पर ओमप्रकाश, तेजपाल, खुशीराम यादव सहित बड़ी संख्या में यूनियन से जुड़े कामरेड उपस्थित रहे।

मूंडावर में थ्रेसर की चपेट में आने से युवक की दर्दनाक मौत

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । मूंडावर उपखंड के ततारपुर चौराहा के समीप चकोलिया की ढाणी में गुरुवार रात एक हृदयविदारक हादसा सामने आया है। यहाँ खेत में गेहूं की फसल निकालते समय एक युवक मशीन (थ्रेसर) की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, घटना रात करीब 8 बजे की है। चकोलिया की ढाणी में गेहूं की थ्रेसिंग का काम चल रहा था। इसी दौरान कार्य कर रहा युवक अचानक थ्रेसर के संपर्क में आ गया। मशीन की रफ्तार तेज होने के कारण युवक को संभलने का मौका नहीं मिला और वह उसकी चपेट में आ गया। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए। मृतक की पहचान शरीफ (30 वर्ष) पुत्र ईसाक मेव, निवासी मातौर के रूप में हुई है।

बच्चे के दिल में छेद,इटली के दंपती ने गोद लिया

बोले- इसे ढेर सारा प्यार देना है; डेढ़ साल पहले पालना गृह में छोड़ गए थे परिजन

भीम प्रज्ञा न्युज

झुंझुनूं । इटालियन कपल ने झुंझुनूं के पालना गृह से डेढ़ साल के बच्चे को गोद लिया है। बच्चे के दिल में छेद है, ये पता होने के बावजूद भी इटली के कपल ने इसे पालने का फैसला लिया है। बच्चे को गोद लेने वाली मां खुद कोलकाता से अडॉप्ट की गई थी। उनका कहना है- हमें फर्क नहीं पड़ता कि बच्चे की हेल्थ कैसी है, हम इसे एक सुरक्षित भविष्य देना चाहते हैं और ढेर सारा प्यार... बच्चे को डेढ़ साल पहले प्री मैच्योर अवस्था में कोई पालना गृह में छोड़ गया था। बच्चे की जांचें की गई तो उसके दिल में छेद पाया गया। इसके बाद शिशु गृह में ही इसकी देखभाल की जा रही थी।

ओबीसी आयोग को तुरंत बर्खास्त करें:डोटासरा

राज्य निर्वाचन आयोग और सरकार की मंशा खराब, हाईकोर्ट आदेशों की अनदेखी क्यों

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । ओबीसी आयोग को लेकर कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए आयोग को बर्खास्त करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि राज्य निर्वाचन आयोग और सरकार की मंशा ठीक नहीं है और हाईकोर्ट के आदेशों का खुलेआम उल्लंघन किया जा रहा है, जो लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए चिंता का विषय है। ब्यावर में गुरुवार को संगठन बढ़ाओ लोकतंत्र बचाओ अभियान अभियान के तहत पीसीसी चीफ डोटासरा ने विशाल जनसभा को संबोधित किया। डोटासरा ने निकाय और पंचायत चुनाव तय समय पर नहीं करवाने पर राजस्थान हाईकोर्ट के अवमानना नोटिस को लेकर सरकार, राज्य निर्वाचन आयोग और ओबीसी आयोग पर निशाना साधा है।

15 अप्रैल 2026 तक कराए पंचायत व निकाय चुनाव

डोटासरा ने कहा- अगर OBC आयोग करीब एक साल में भी सर्वे रिपोर्ट न दे सके, तो ऐसे आयोग को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त करना चाहिए। भाजपा सरकार ने चुनाव नहीं करवाने का तय कर रखा है इसलिए ओबीसी आयोग की रिपोर्ट का बहाना बनाया। डोटासरा ने कहा- हाईकोर्ट कोर्ट ने 14 नवंबर 2025 को स्पष्ट आदेश दे दिए थे कि 15 अप्रैल 2026 तक पंचायत व निकाय चुनाव कराए जाएं। भाजपा सरकार और निर्वाचन आयोग की मंशा देखिए। एक तरफ कोर्ट ने 15 अप्रैल तक डेडलाइन दी और दूसरी तरफ ये लोग 22 अप्रैल को अंतिम मतदाता सूची जारी करने का कार्यक्रम बना रहे हैं।

हाईकोर्ट ने सरकार से चुनाव नहीं कराने को लेकर जवाब मांगा

डोटासरा ने कहा- अब हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए भाजपा सरकार और राज्य निर्वाचन आयोग से बार-बार पंचायत और निकाय चुनाव टालने पर जवाब तलब किया और स्पष्ट आदेश के बावजूद 15 अप्रैल तक चुनाव नहीं कराने की मंशा पर तल्खी से जवाब मांगा है।

कोर्ट के निर्देश के बावजूद चुनाव नहीं करवा रही भाजपा सरकार

डोटासरा ने कहा- इतना ही नहीं जब भाजपा सरकार लोकतंत्र की हत्या पर आमादा है, ऊपर से पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर हास्यास्पद बयान देकर बचने की कोशिश कर रहे हैं कि कांग्रेस ने भी चुनाव नहीं कराए। शायद मंत्रीजी को इसकी जानकारी नहीं है कि पंचायतीराज और नगर निकायों को संवैधानिक दर्जा कब मिला।

1993 में 73वें और 74वें संवैधानिक संशोधनों के बाद स्थानीय निकायों को संवैधानिक दर्जा मिला और हर 5 साल में चुनाव कराना अनिवार्य हुआ। इसके बाद राजस्थान में कभी चुनाव टालने की परंपरा नहीं रही। केवल असाधारण परिस्थितियों जैसे कोरोना में ही सीमित देरी हुई, वो भी सुप्रीम कोर्ट की अनुमति से। जबकि आज हालात इसके उलट हैं, आज कोर्ट निर्देश दे रहा है, फिर भी भाजपा सरकार चुनाव नहीं करवा रही है।

डायबिटीज के मरीजों को गन्ने का जूस पीना चाहिए या नहीं?

गर्मी से राहत के लिए अलग-अलग तरह के पेय का सेवन करते हैं ताकि गर्मी के प्रकोप से बच सकें। वहीं गर्मी के दिनों में गन्ने के जूस का सबसे अधिक सेवन किया जाता है। इसके सेवन करते ही गर्मी की थकान दूर हो जाती है। एकदम रिफ्रेशमेंट जैसा महसूस होता है। वहीं इसका सेवन करने से लीवर, ब्लड प्रेशर और इम्यून सिस्टम तीनों के लिए ही फायदेमंद होता है। इसमें कई तरह के पोषक तत्व होते हैं। जैसे कैल्शियम, मैग्नीशियम, आयरन, पोटेशियम और फास्फोरस जैसे जरूरी तत्व पाए जाते हैं। जिससे हड्डियां भी मजबूत होती है। यह प्राकृतिक रूप से मीठा होता है। लेकिन सवाल उठता है कि क्या डायबिटीज के मरीज इसे पी सकते हैं?

गन्ने के रस में भले ही प्राकृतिक शुगर होती है लेकिन शुगर की मात्रा बहुत अधिक होती है। जिसके चलते डायबिटीज के मरीजों को दिक्कत हो सकती है। दरअसल, गन्ने का रस बिना किसी तरह से रिफाइंड करके निकाला जाता है। इसलिए हाई शुगर भी बहुत ज्यादा होती है। इसलिए डायबिटीज के मरीजों को गन्ने के रस का सेवन नहीं करना चाहिए। गन्ने के रस में ग्लाइसेमिक इंडेक्स होता है और अधिक मात्रा में ग्लाइसेमिक लोड होता है। इसका मतलब है कि यह आपके ब्लड शुगर लेवल को इफेक्ट करता है।

गन्ने के जूस के फायदे

- एनर्जी मिलती है।
- पाचन क्रिया को ठीक करता है।
- दांतों को मजबूत करता है।
- संक्रमण से बचाव में मदद करता है।

अनिद्रा और माइग्रेन की समस्या से चाहते हैं निजात, तो पीजिए हल्दी वाला दूध

आयुर्वेद चिकित्सा में हल्दी को रोगप्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाला सबसे असरकार माना गया है। आयुर्वेद के अनुसार दूध के साथ हल्दी का सेवन करना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। बच्चों और बुजुर्गों को तो अक्सर हल्दी वाला दूध पीने की सलाह दी जाती है। बहुत सी ऐसी बीमारियां हैं जिनमें हल्दी वाला दूध रात को पीने से काफी आराम मिलता है। कहा जाता है जो व्यक्ति अनिद्रा का रोगी हो और जिसके माइग्रेन की बीमारी हो उसे हल्दी वाला दूध अवश्य पीना चाहिए।

माइग्रेन व अनिद्रा में मिलता है आराम

अगर आपको माइग्रेन की शिकायत है तो रोज रात को सोने से पहले एक गिलास गर्म दूध में हल्दी डालकर पीने की आदत डाल लें। माइग्रेन की परेशानी में दूध हल्दी पीने से बहुत लाभ मिलता है। इससे अच्छी नींद भी आती है। आपकी नींद पूरी नहीं हो पा रही है। रात को अक्सर आपकी नींद टूट जाती है और फिर देर तक नहीं आती है तो हल्दी वाला दूध पीकर सोना शुरू कर दें। गर्म दूध में हल्दी डालकर पीने से नींद नहीं आने की शिकायत दूर होती है।

गैस की परेशानी से भी मिलती है राहत

गैस और कब्ज की परेशानी में भी हल्दी दूध पीने से आराम मिलता है। दूध नॉर्मल टेम्प्रेचर का होना चाहिए ज्यादा गर्म नहीं। रोज रात को हल्दी वाले दूध में 2-3 दाने चीनी या मिश्री के डालकर सोएं। कुछ ही दिनों में कब्ज और गैस की परेशानी से राहत मिल जाएगी।

बढ़ती है बच्चों की इम्युनिटी

हल्दी को इम्युनिटी बढ़ाने के लिए बहुत गुणकारी माना जाता है। बच्चों को अक्सर ही मौसम बदलने पर सर्दी-खांसी जैसी परेशानी हो जाती है। रात में सोने से पहले बच्चों को हल्दी वाला दूध पिलाएं, इससे बदलते मौसम में भी उनकी इम्युनिटी मजबूत होती है।

चोट पर है असरकारक

बच्चों को खेलने-कूदने में अक्सर चोट लग जाती है या बहुत थक जाने पर पैरों में, शरीर में दर्द होता है। रात को सोते समय बच्चों को हल्दी वाला दूध पीना चाहिए। इससे चोटों से आराम मिलता है। हल्दी में रोग प्रतिरोधक क्षमता होती है और इसका सेवन सबके लिए ही फायदेमंद है।

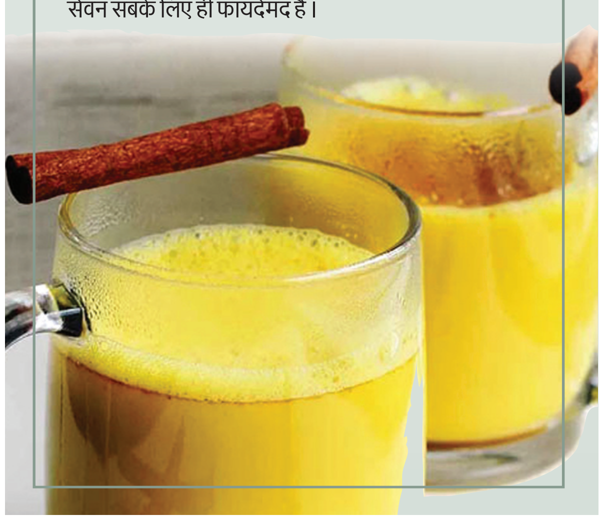

बीमार न कर दे ये गर्मी

गर्मी अपना प्रभाव दिखाने लगी है और लोगों का हाल बेहाल होने लगा है। गर्मियों के मौसम में जाने अंजान में कई गलतियां, या फिर हमारी जरा सी लापरवाही भी हमें बीमार कर सकती है। गर्मियों के दौरान अक्सर लोगों के शरीर में डिहाइड्रेशन की समस्या हो जाती है। इस तपती गर्मी में कई लोगों को लू लग जाती है, कई लोग बुखार की चपेट में तो कई लोगों को पेशाब में जलन, दस्त, उल्टियां, बेहोश होना और नाक से खून निकलने जैसी समस्याएं होने लगती हैं। ऐसे में अधिकांश लोग डॉक्टर और अस्पताल के चक्कर लगाने लगते हैं।आज हम बताएंगे कि गर्मी अपने आपको स्वस्थ कैसे रखें, आइए जानते है।

नाक से खून आना

गर्मियों में अक्सर बच्चों के नाक से खून आने की समस्या होने लगती है। ऐसे में लाल भाजी की जड़ों के रस की दो-दो बूंदे नाक में टपकाने की सलाह देते हैं। ऐसा तीन दिन तक लगातार दिन में दो बार किए जाने से आराम मिलता है। वहीं इसके अलावा धनिया की ताजी पत्तियों के रस में थोड़ा कपूर मिलाकर इस मिश्रण की 2-2 बूंदे नाक में टपकाने की सलाह देते हैं।

लू लग जाए तो करें ऐसा

भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप के कारण अगर लू लग जाए तो लू लगने पर पीड़ित व्यक्ति के हाथ, पैर और तलुओं में कच्चे प्याज का रस लगाया जाता है। कहा जाता है कि इस नुस्खे को आजमाने पर लू से तुरंत आराम मिलता है। लू लग जाए तो कमरख नाम के फल का रस इससे निजात दिलाने में काफी काम आता है। इस रस में चीनी मिलाकर दिन में दो बार पीना चाहिए। इसके अलावा करौंदे का जूस भी लू से निजात दिलाने के लिए बेहतर विकल्प माना जाता है। करीब 250 मिली करौंदा जूस में शक्कर और इलायची मिलाकर दिन में 3 बार पीने से लू का असर कम होता है। बथुआ को पीसकर इसका लेप तैयार करके लू ग्रस्त व्यक्ति के पैरों के तलुओं और हथेली पर लगाने से लू में काफी तेजी से आराम मिलता है। लू के उपचार के लिए टमाटर को भी उत्तम माना जाता है। टमाटर में नमक और शक्कर मिलाकर इसे उबाल लेना चाहिए। ठंडा हो जाने पर लू ग्रस्त व्यक्ति को दिन में 2 बार पिलाना चाहिए।

गर्मियों में जब पड़ जाएं बीमार

भीषण गर्मी में लू लग जाने पर तेजी से बुखार आने लगता है। ऐसे में कच्चे नारियल का पानी पिलाना चाहिए। सुबह-शाम तीन दिनों तक कच्चे नारियल का पानी पीने से लू, बुखार और कमजोरी दूर होती है।

गर्मी के चलते बुखार आ जाने पर बेल के फलों का जूस बेहद काम आता है। बेल के जूस में शक्कर और इलायची मिलाकर पीड़ित को देने से तुरंत आराम मिलता है।

कमजोरी व थकान होने पर

गर्मियों में थकान और कमजोरी महसूस होना बेहद आम बात है। ऐसे में पके पपीते का सेवन करना बेहद फायदेमंद माना जाता है। पपीते के जूस को पीने से शरीर में ताजगी और स्फूर्ति आती है। चिलचिलाती गर्मी में यह शरीर के तापमान को नियंत्रित करता है।

दस्त और उल्टी होने पर

गर्मियों में कई लोगों को दस्त और उल्टी की समस्या होना आम बात है। ऐसे में आंवले को उबालकर इसे मैश कर लेना चाहिए। फिर इसके बीजों को अलग कर लें और आंवले में शक्कर या शहद मिला लें। इस मिश्रण में से 5 ग्राम हर रोज 4-5 बार लें। इससे दस्त और उल्टी में तेजी से फायदा होगा। इसके अलावा पानी की कमी को पूरा करने के लिए नींबू पानी, केला और दाल चावल से बनी खिचडी खाने से आराम मिलता है।

क्या आपको लगता है कि वजन कम करने के लिए आपको उबला हुआ खाना खाना पड़ेगा या घंटों वर्कआउट करना पड़ेगा? जी नहीं, ऐसा बिल्कुल नहीं है। आप चाहें तो डांस करके भी वजन कम कर सकती हैं। यहां हैं कुछ ऐसे अमेजिंग डांस, जो आपकी वेट लॉस जर्नी को आसान बना सकते हैं।

बिना एक्सरसाइज डांस के साथ करें वेट लॉस

डांसिंग एक बेहतरीन कार्डियो वर्कआउट है जो स्टैमिना बढ़ाता है और फैट बर्न करने में मदद करता है। डांस की उपयोगिता के कारण ही डांस से जुड़े कई फिटनेस सेंटर खुल रहे हैं। एरोबिक्स, जुम्बा और साल्सा डांस वर्कआउट के कुछ प्रमुख रूप हैं। डांस की सबसे अच्छी बात यह होती है कि यह फुल बॉडी वर्कआउट होने के बावजूद उबाऊ नहीं लगता और यह आपको खुश रखता है। यही नहीं, डांस सभी मांसपेशियों को फ्लेक्सिबल बनाता है। कई रिसर्च बताती हैं कि डांस करने से डोपामाइन हॉर्मोन बनता है जो हमारा मूड अच्छा रखता है और स्ट्रेस कम करता है। जब आप जान गए हैं कि डांस सेहत के लिए कितना फायदेमंद है, तो यह भी जान लेते हैं कि आप इसको अपने रूटीन में कैसे शामिल कर सकती हैं।

जुम्बा

जुम्बा डांस कार्डयो सबसे प्रचलित वर्कआउट फॉर्म है और यह लगातार बढ़ रहा है। जुम्बा लैटिन डांस स्टाइल और एरोबिक्स का मिक्स है जिसमें बहुत ऊर्जा की जरूरत होती है। जुम्बा में एक ही समय पर कई मसल्स ग्रुप काम करते हैं और यह हर ऐज के लिए परफेक्ट है। यह लगातार एक फन वर्कआउट के रूप में लोकप्रिय हो रहा है। एक घन्टे के जुम्बा सेशन में आप 500 से 800 कैलोरी बर्न करती हैं।

हिप हॉप

हिपहॉप एक एडवांस डांस फॉर्म के रूप में लोकप्रिय है। इस डांस स्टाइल के लिए बहुत स्टैमिना और ताकत की जरूरत होती है और यही कारण है कि यह वजन कम करने का बेहतरीन तरीका है। लेकिन, हिपहॉप के लिए आपको फिट होना चाहिए वरना आप हिपहॉप कर ही नहीं पाएंगे।

साल्सा

हॉलीवुड से लेकर बॉलीवुड तक, साल्सा को एक रोमांटिक डांस फॉर्म की तरह पॉपुलर किया गया है। हालांकि साल्सा रोमांटिक है और कपल के बीच ही होता, लेकिन इस डांस फॉर्म में बहुत एनर्जी की जरूरत होती है। यह एक बेहतरीन वर्कआउट है जो कैलोरी बर्न करता है और इस दौरान आप और आपके पार्टनर के बीच बॉन्डिंग भी बढ़ जाती है। कपल्स के लिए साल्सा एक अच्छी एक्टिविटी है जहां वे साथ में फिट भी हो सकते हैं और क्वालिटी टाइम भी बिता सकते हैं।

बॉलीवुड

जब बात आती है डांस वर्कआउट की तो बॉलीवुड स्टाइल सबसे कारगर होता है। हम सभी बचपन से बॉलीवुड डांस देखते आये हैं और उसे एन्जॉय करते हैं। साथ ही इसकी बीट्स इतनी मोहक होती हैं कि आप खुद को नाचने से रोक नहीं पाते। यह एक बेहतरीन कार्डियो है और फैट बर्न करने में कारगर है। साथ ही आप इसको दिल से एन्जॉय भी करते हैं।

यह भी जानें

डांस वर्कआउट यहीं तक सीमित नहीं है। फ्रीस्टाइल डांसिंग से लेकर बेली डांस तक कई अन्य डांस हैं जो आपको फिट रखते हैं। नियमित रूप से डांस करने से आप फिट होते हैं, स्टैमिना बढ़ता है और शरीर लचीला बनता है। साथ ही यह फिटनेस शारीरिक फिटनेस तक सीमित नहीं है। डांस से आपका मानसिक स्वास्थ्य भी सुधरता है क्योंकि डांस करने से तनाव कम होता है और मूड अच्छा होता है।

क्या आप अपने रोजाना पानी पीने का हिसाब रखते हैं?

पृथ्वी का 70 प्रतिशत हिस्सा पानी से घिरा है। लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि यह 70 प्रतिशत पानी पीने के लिए योग्य है। भारत जहां डिजिटलीकरण की ओर से तेज रफ्तार से बढ़ रहा है। वहीं 50 प्रतिशत से ज्यादा घरेलू स्थान अभी भी पीने के लिए अपने पानी को उबालने पर निर्भर हैं। आपका शरीर 70 प्रतिशत पानी है और यह पानी पेशाब और पसीने आदि के माध्यम से अपने शरीर में मौजूद गंदगी को बाहर निकालने में मदद करता है। कहा जाता है कि दिन में आठ गिलास पानी पीना स्वास्थ्य के लिए जरुरी है। पानी शरीर के लिए बहुत जरूरी है। अधिक पानी पीने से कई तरह की बीमारियों से छुटकारा मिलता है। अफसोस की बात है कि लोग प्यास लगने पर ही पानी का सेवन करते हैं, जो शरीर में पानी की कमी को बढ़ाता है।

एनर्जी लेवल को बनाए रखता है

आप विशेष रूप से गर्मियों में एनर्जी लेवल में कमी महसूस करते हैं। इन सबसे निजात पाने का आसान तरीका अधिक पानी पीना है। ऐसा करने से आप अपने दिन को अतिरिक्त शक्ति और ऊर्जा के साथ जी पाएंगे।

डिहाइड्रेशन में मदद करता है

पानी की कमी से मस्तिष्क पर बुरा असर पड़ता है। जब आपका मस्तिष्क थका हुआ होता है, तो आपकी मांसपेशियां जवाब देने लगती है। आपकी आंखें थक जाती हैं। आपके मस्तिष्क में महत्वपूर्ण कार्यों को करने की ऊर्जा नहीं होती। आप चाहते हुए भी काम पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाते। इसलिए इससे बचने के लिए, भरपूर पानी पीना चाहिए। आप ड्रिंक-वॉटर ऐप का उपयोग कर इस बात का पता लगा सकते है कि आपने दिनभर में कितने लीटर पानी पिया है।

मूड को फ्रेश रखने में मदद करता है

जब आपको प्यास लगती है, तो आप अत्यधिक चिड़चिड़े होने लगते है। एक गिलास पानी पीने से आप बेहतर महसूस करने लगते है और मूड भी ठीक रहता है।

स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है पोदीना

पौदिने में कई प्रकार के पौष्टिक तत्व होते हैं जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होते है। पौदिने की पत्तियों में मिंथॉल व एंटी बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं।

गर्मी के दिनों में पौदिना को भी लोग खूब पसंद करते है। पौदिने का प्रयोग हम किसी सब्जी को स्वादिष्ट बनाने और चटनी में बनाने में लेते है। पौदिने में कई प्रकार के पौष्टिक तत्व होते हैं जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होते है। पौदिने की पत्तियों में मिंथॉल व एंटी-बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। गर्मियों के दिनों में स्कीन से जुड़ी कई परेशानियां होती है। आज हम पौदिने के सेवन से होने वाले शारीरिक लाभों के बारें में बताने जा रहे हैं, तो आइए जानते हैं।

कील मुंहासे में फायदेमंद

पौदिना चेहरे के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। अगर आपकी तैलीय त्वचा हैं आप पौदिने की पत्तियों को पीसकर चेहरे पर लगाओंगे तो आपके चेहरे के लिए काफी फायदेमंद होगी।

मुंह की बदबू के लिए फायदेमंद

कई लोग मुंह की बदबू के कारण काफी परेशान रहते है। ऐसे व्यक्तियों के लिए पौदिना काफी फायदेमंद हो सकता है। अगर आपके मुंह में बदबू आती हैं तो आपको पौदिना की पत्तियों का सेवन करना चाहिए।

पाचनतंत्र के लिए फायदेमंद

पौदिना हमारी पेट से संबंधित बीमारी के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। अगर आप पेट की समस्या से पीड़ित हो तो आपको प्रतिदिन पौदिने की पत्तियों का सेवन करना चाहिए।

पीरियड में फायदेमंद

कई महिलाएं अपने मासिक धर्म से काफी परेशान रहती हैं क्योंकि उनका मासिक धर्म समय पर नहीं आता है। जिस कारण वो काफी तनाव में रहती है। लेकिन अगर आप प्रतिदिन पौदिने का सेवन करेंगे तो ये महिलाओं के लिए काफी फायदेमंद हो सकता है। महिलाएं पौदिने की पत्तियां सूखाकर उनका चूर्ण बनाकर शहद के साथ सेवन करेगी तो शानदार इस बीमारी से फायदा मिलेगा।

बीकानेर रेंज में अपराध समीक्षा बैठक सम्पन्न, डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने दिए सख्त निर्देश

भीम प्रज्ञा न्यूज.बीकानेर।

प्रदेश में कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से गुरुवार को बीकानेर रेंज में आयोजित उच्चस्तरीय अपराध समीक्षा बैठक सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता महानिदेशक पुलिस श्री राजीव कुमार शर्मा ने की। बीकानेर के मोटर ड्राइविंग ट्रेनिंग स्कूल सभागार में आयोजित इस महत्वपूर्ण बैठक में रेंज आईजी सहित बीकानेर, हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर और चूरू जिलों के पुलिस अधीक्षक व अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के आरंभ में बीकानेर आईजी ओमप्रकाश ने रेंज की समग्र आपराधिक स्थिति का विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। बैठक के दौरान डीजीपी शर्मा ने रेंज में अपराध की वर्तमान स्थिति की गहन समीक्षा करते हुए जिलेवार एनडीपीएस, आबकारी एवं आर्म्स एक्ट के तहत की गई कार्रवाई की समीक्षा की। उन्होंने सीमावर्ती जिलों के कारण यहां होने वाले अपराधों पर विशेष नजर रखने और हार्डकोर अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी प्रकार के गंभीर अपराधों में प्रभावी मॉनिटरिंग और निरंतर फॉलोअप सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही जिलेवार संगठित अपराधों पर की गई निरोधात्मक कार्रवाई का भी मूल्यांकन किया। उन्होंने नशे के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करने के लिए एनटीएफ और पुलिस को समन्वय से कार्रवाई करने के निर्देश दिए । उन्होंने ड्रग्स पर विशेष फोकस करने की दृष्टि से सभी एसपी को सप्ताह में एक दिन ड्रग्स के विरुद्ध कार्यवाही को समर्पित करने को कहा। डीजीपी ने सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए तथा कहा कि सभी ड्रंक एंड ड्राइव और ओवर स्पीडिंग के प्रति जीरो टॉलरेंस रखें। उन्होंने मोटर व्हीकल एक्ट के अंतर्गत की गई कार्रवाई की जानकारी ली। उन्होंने संपर्क पोर्टल पर लंबित परिवादों की समीक्षा करते हुए इनके गुणवत्तापूर्ण निस्तारण (क्वालिटी डिस्पोजल) पर विशेष जोर दिया। इसके अलावा गैंगस्टर नेटवर्क के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रखने, लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण और अपराध नियंत्रण के लिए प्रभावी रणनीति अपनाने के निर्देश दिए गए। डीजीपी शर्मा ने युवा शक्ति का सदुपयोग करने की दृष्टि से युवा सीएलजी बनाने की बात कही। डीजीपी ने साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए तकनीकी दक्षता बढ़ाने, महिला सुरक्षा को प्राथमिकता देने तथा पुलिसिंग के आधुनिकीकरण पर भी विशेष बल दिया गया। बैठक में एडीजी क्राइम बिपिन पांडे, डीआईजी कुंवर राष्ट्रदीप और संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

पीपीजीएन एकेडमी की आरुषि मान का राजकीय बालिका सैनिक स्कूल में चयन, क्षेत्र में खुशी की लहर

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

राज्य सरकार द्वारा बेटियों के लिए इस वर्ष से शुरू किए गए राजकीय बालिका सैनिक स्कूल में क्षेत्र की होनहार छात्रा आरुषि मान का चयन हुआ है। भीर निवासी और वर्तमान में चिड़ावा रह रही आरुषि (पुत्री अनिल मान एवं मायावती) की इस उपलब्धि ने पूरे जिले का नाम रोशन किया है। आरुषि मान ने पीपीजीएन एकेडमी, चिड़ावा में रहकर सैनिक स्कूल और नवोदय विद्यालय की तैयारी की थी। आरुषि ने अपनी सफलता का श्रेय कड़े अनुशासन, अनुभवी शिक्षकों के मार्गदर्शन और अपनी नियमित मेहनत को दिया है। इस चयन के बाद आरुषि के परिवार और क्षेत्रवासियों में उत्साह का माहौल है। संस्थान के लिए यह दोहरी खुशी का मौका है। सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा 2026 में एकेडमी का परिणाम 100' रहा है। वहीं, नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा में भी एकेडमी का प्रदर्शन शानदार रहा, जहाँ 8 में से 5 विद्यार्थियों ने ओवरऑल टॉप रैंकिंग में स्थान बनाकर अपनी प्रतिभा साबित की है। अकादमी की सफलता के पीछे उनकी अनूठी और पारदर्शी कार्यप्रणाली है। पिछले वर्षों के शानदार परिणामों को देखते हुए संस्थान ने एक विशेष नीति लागू की है, जिसके तहत अकादमी शुल्क केवल छात्र के अंतिम चयन के बाद ही लिया जाता है। यह नीति अभिभावकों के बीच विश्वास का केंद्र बनी हुई है। संस्थान के संचालक एवं स्टाफ ने आरुषि मान की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए उसे मिठाई खिलाई और उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

नापासर में 2 अप्रैल के शहीदों को श्रद्धांजलि, 'बहुजन एकता दिवस' के रूप में मनाया गया ऐतिहासिक दिन

भीम प्रज्ञा न्यूज.नापासर।

कस्बे के उतरादा बास स्थित गुंसाई जी मंदिर परिसर में 2 अप्रैल की वर्षगांठ पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वर्ष 2018 के आंदोलन में शहीद हुए लोगों को समाजजनों ने कैंडल जलाकर एवं पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने शहीदों के बलिदान को याद करते हुए एकजुटता का संदेश दिया।

सभा को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता पुनम चंद बारूपाल ने 2 अप्रैल 2018 के आंदोलन की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यह आंदोलन SC/ST अत्याचार निवारण अधिनियम में सुप्रीम कोर्ट द्वारा किए गए बदलावों के विरोध में स्वतः स्फूर्त रूप से शुरू हुआ था। इस दिन दलित और आदिवासी समाज के लाखों लोगों ने सड़कों पर उतरकर अपने अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुटता दिखाई थी, जिसके परिणामस्वरूप सरकार को कानून को पुनः मूल स्वरूप में बहाल करना पड़ा। वहीं पुनम चंद गोयल ने इस दिन को 'स्वाभिमान दिवस' बताते हुए युवाओं से आह्वान किया कि वे महापुरुषों के संघर्ष और शहीदों के बलिदान से प्रेरणा लें। उन्होंने शिक्षा और संवैधानिक मूल्यों के प्रति जागरूकता को समाज की मजबूती के लिए आवश्यक बताया। कार्यक्रम में समाज के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इनमें भंवरलाल कड़ेला, राजकुमार मेघवाल, हरिराम जनागल, मालाराम बारूपाल, सुरजाराम गंधेर, चुन्नीलाल कड़ेला, मूलचंद परिहार, रामदेव परिहार, कमलकिशोर कड़ेला, मोतीलाल परिहार, हुकमचंद बारूपाल, नानूराम परिहार, कालूराम परिहार एवं राजूराम बारूपाल सहित कई लोग शामिल रहें।

राजकला स्कूल की छात्राओं ने लहराया परचम, नामांकन रैली के जरिए दिया शिक्षा का संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

पीएम श्री राजकला राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं ने बोर्ड परीक्षा परिणामों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में और नए शैक्षणिक सत्र 2025-26 में नामांकन वृद्धि हेतु विद्यालय परिवार द्वारा शहर में भव्य 'नामांकन रैली' निकाली गई और मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। प्रधानाचार्या सरोज दाधीच ने बताया कि उत्कृष्ट परिणाम देने वाली छात्राओं को माला व साफा पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर सम्मानित किया गया। कक्षा 12वीं के टॉपर: कृषि संकाय: भारती (90.60'), आंचल सैनी (89.60'), अंकिता (89.20'), पूजा (87.40')। विज्ञान संकाय: ज्योति (89.80'), समरीन (86.60'), प्रीति सोलंकी (85.20')। कला संकाय: पूनम (89.40'), खुशी (84.40')। वाणिज्य संकाय: लक्ष्मी (87.60')। कक्षा 10वीं के सितारे, रितिक (86.50'), भारती (83'), ऋषिका (82.33'), पायल (82.33'), कनिष्क शर्मा (81'), पंकज (80.50') और मृत्युका (80.50') ने श्रेष्ठ अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। प्रवेशोत्सव कार्यक्रम के तहत विद्यालय से रवाना हुई नामांकन रैली शहर के मुख्य मार्गों, गलियों और मोहल्लों से गुजरी। छात्राओं ने स्लोगन और नारों के माध्यम से अभिभावकों को सरकारी स्कूल की आधुनिक सुविधाओं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रति जागरूक किया।

रैली और सम्मान समारोह के दौरान उपप्राचार्य मुरारीलाल, व्याख्याता अनिल, सुनीता देवी, सपना, सुनील कुमार शर्मा, बलराम, संजय कुमार यादव, राजेंद्र सिंह सुंदरिया, डिंपल शर्मा, वरिष्ठ अध्यापक रोहिताश कुमार, ममता जांगिड़, मुकेश,महेंद्र लांबा अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी अध्यापक घीसाराम, जयप्रकाश आलडिया, जीतराम, सुमन, चेतराम, सुमित्रा सैनी, सचिन गर्वा, साहिल सिंह, राकेश सैनी, सुमन, प्रेमलता, आशा यादव, माया देवी और कुलदीप सिंह झाझरिया सक्रिय रहे। अभिभावकों में दयाराम, कुरडाराम, मुकेश, संजय, अमर सिंह, राजेश कुमार और मदनलाल सहित कई गणमान्य नागरिक मौजूद रहे, जिन्होंने विद्यालय के प्रयासों की सराहना की।

विश्वविद्यालय गोल्ड मैडिलिस्ट रही छात्रा सोनल तोलासरिया के सम्मान में निकाला गया सम्मान जुलूस

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा?।

पवन कुमार शर्मा । मंडावा कॉलेज मण्डावा में महाविद्यालय के वाणिज्य संकाय की नियमित छात्रा सोनल तोलासरिया पुत्री रविशंकर तोलासरिया विश्वविद्यालय स्नातक स्तर पर सर्वाधिक अंक प्राप्त कर विश्वविद्यालय गोल्ड मैडिलिस्ट बनी छात्रा के सम्मान में आज सम्मान जुलूस निकाला गया। इस अवसर पर महाविद्यालय द्वारा गोल्ड मैडिलिस्ट छात्रा के सम्मान में डीजे के साथ महाविद्यालय से मंडावा नगरपालिका चौक तक रैली का आयोजन कर विजयोत्सव मनाया गया। इस विजयोत्सव में कॉलेज सचिव राधेश्याम सैनी, कोषाध्यक्ष गोपाल केडिया, कॉलेज ट्रस्टी एवं समिति सदस्य शिवचरण गाडोदिया, समिति सदस्य गिरवर सिंह शेखावत, सज्जन लाल दीनवा, लक्ष्मी जांगिड़, महेश जोशी, मधुसूदन खेमानी तथा सनातन स्कूल का स्टॉफ एवं प्रधानाचार्य डॉ. विद्या पुरोहित एवं जीवराज सिंह उपस्थित थे। कॉलेज प्राचार्या डॉ. वन्दना गौतम ने छात्रा को विश्वविद्यालय स्तर गोल्ड मैडल प्राप्त करने पर हार्दिक बधाई देते हुए फूलमाला पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर अभिनन्दन किया। महाविद्यालय समिति के उपस्थित सभी पदाधिकारी एवं सदस्यों ने भी छात्रा को महाविद्यालय एवं मंडावा नगर का नाम रोशन करने पर बधाई देते हुए आर्शीवाद दिया। विजयोत्सव रैली के दौरान बाजार में गोपाल केडिया एवं श्यामलाल केडिया ने मिठाई खिलाकर सम्मान किया। केसर टेलर एवं बाबुलाल कुमावत ने छात्रा का माल्यार्पण कर स्वागत किया वही राजकुमार सिंघानिया ने भी छात्रा को गुलदस्ता प्रदान कर सम्मान व स्वागत किया। इस दौरान महाविद्यालय कॉलेज के व्यख्याता सद्दाम हुसैन भाटी, रीना हरितवाल, राजेश टांडी, पवन सैनी, महेन्द्र वर्मा, अनूप चौहान, रमेश शर्मा, रमेश सोनी, श्रवण कुमार, रामलाल, विकास सहित अन्य गणमान्य सदस्य मौजूद रहे।

देश में डिजिटल हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण हैं मेडिसिंक जैसी तकनीकें - डॉ पी सी पंचारिया

सीएसआईआर-सीरी, पिलानी द्वारा विकसित 'मेडिसिंक' तकनीक का हस्तांतरण

भीम प्रज्ञा न्यूज.पिलानी।

सीएसआईआर - केंद्रीय इलेक?ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस?थान (सीएसआईआर-सीरी), पिलानी ने गुरुवार को स्वास्थ्य- प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए रोगी की स्मार्ट मॉनीटरिंग के लिए विकसित आईओटी आधारित प्लैटफॉर्म 'मेडिसिंक' का तकनीकी हस्तांतरण किया। यह प्रौद्योगिकी हस्तांतरण मेसर्स वर्टेक्स मेडिटेक को 1 अप्रैल 2026 को सफलतापूर्वक किया गया। तकनीकी हस्तांतरण संबंधी दस्तावेजों के आदान-प्रदान कार्यक्रम में वर्टेक्स मेडिटेक की ओर से संदीप मुद्गल एवं विवेक यादव तथा सीएसआईआर-सीरी की ओर से डॉ नीरज कुमार सहित टीबीडी टीम के सदस्य उपस्थित रहे।

संस्थान के निदेशक डॉ पी सी पंचारिया ने डॉ सत्यम श्रीवास्तव के नेतृत्व में प्रौद्योगिकी का विकास करने वाली टीम के सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि 'मेडिसिंक' जैसी स्वदेशी तकनीकें देश में डिजिटल हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। साथ ही, यह तकनीक विशेष रूप से दूर-दराज क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच बढ़ाने में भी सहायक होगी।

क्या है मेडिसिंक (MEDISYNC) तकनीक

यह CSIR-CEERI में विकसित 'मेडिसिंक' एक उन्नत स्मार्ट आईओटी-आधारित मल्टीपैरामीटर पेशेंट मॉनिटरिंग प्लेटफॉर्म है, जो ईसीजी, ऑक्सीजन सैचुरेशन, पल्स रेट, नॉन-इनवेसिव ब्लड प्रेशर तथा शरीर का तापमान जैसे महत्वपूर्ण वाइटल्स को उच्च सटीकता के साथ मापने में सक्षम है। यह प्रणाली इंटेलिजेंट सेंसिंग आर्किटेक्चर पर आधारित है, जिसमें उन्नत सिग्नल प्रोसेसिंग एवं नॉइज़ रिडक्शन एल्गोरिद्म के माध्यम से विश्वसनीय एवं क्लिनिकली उपयोगी डेटा प्राप्त होता है। यह डिवाइस रियल-टाइम डेटा एक्विज़िशन एवं क्लाउड कनेक्टिविटी के माध्यम से मरीज की जानकारी को सुरक्षित रूप से सर्वर पर ट्रांसफर करती है, जिससे डॉक्टर कहीं से भी मरीज की निगरानी कर सकते हैं। इस प्रौद्योगिकी-विकास टीम में सीएसआईआर-सीरी के वैज्ञानिक डॉ सत्यम श्रीवास्तव की अगुवाई में सूरज मुखिया एवं आकाश वाघरे का महत्वपूर्ण योगदान रहा। प्रौद्योगिकी के संबंध में बताते हुए डॉ सत्यम ने कहा कि इस प्लेटफॉर्म का उद्देश्य किफायती, विश्वसनीय एवं कनेक्टेड पेशेंट मॉनिटरिंग समाधान प्रदान करना है, जिससे चिकित्सकों को समय पर और सटीक निर्णय लेने में सहायता मिल सके। मीडिया एवं जनसंपर्क अधिकारी रमेश बौरा ने बताया कि इस तकनीक के औद्योगिक हस्तांतरण से इसके व्यावसायिक उत्पादन एवं व्यापक उपयोग का मार्ग प्रशस्त हुआ है, जिससे मेक इन इंडिया एवं आत?मनिर्भर भारत अभियानों को बल मिलेगा तथा देश में स्वदेशी चिकित्सा उपकरणों के विकास को नई दिशा मिलेगी।

महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास लक्षमनगढ के राम जानकी हनुमान मे महिलाएं ने दी हनुमान जयंती पर भजनों की प्रस्तुति

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

हनुमान जयंती पर श्री बालाजी प्रभात फेरी भक्त मंडल की ओर से महिलाओं ने महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास लक्षमनगढ के राम जानकी हनुमान मंदिर में भजनों की प्रस्तुति दी । यह जानकारी देते हुए छात्रावास के महामंत्री महेंद्र कुमार माली ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर सेठों की कोठी से बैरास जाने वाले रास्ते पर निर्माणाधीन महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास लक्षमनगढ के राम जानकी हनुमान मंदिर में श्रीमती संतोष शर्मा, श्रीमती मंजू चौधरी, भावना शर्मा, मुन्नी कुमावत, मीना कुमावत, श्रीमती गीता गौड़,खुशी गौड़, शारदा गौड़, भगवानी गौड़,किरण देवी, शारदा, श्रीमती ऊषा मिटावा, श्रीमती सरोज गौड़,लक्ष्मी,मुनकी देवी, संतोष गौड़, संतरा देवी,सरिता देवी, द्रौपदी देवी,कमला गौड़,सलोचना देवी, सीतादेवी गौड़,गौमती देवी, रामादेवी सहित करीब तीन दर्जन से अधिक आदि की ओर भजन कीर्तन की प्रस्तुति दी गई इस अवसर पर महेंद्र कुमार माली, झाबरमल माली विनोद गौड़,राजू सैनी, राकेश गौड़ बाबूलाल सैनी, गोविंद कुमार, अनिल कुमार, अंकित कुमार, युवराज, संदीप कुमार सहित छात्रावास के पदाधिकारी सदस्य व विधार्थी मौजूद थे। हनुमान जन्मोत्सव पर महिलाओं भजनों के माध्यम से भगवान को रिझाया। इससे पूर्व मंदिर की सजावट कर भगवान का अलौकिक श्रृंगार किया गया। कार्यक्रम के अंत में भगवान के आशीर्वाद स्वरूप प्रसाद का वितरण किया गया।

झुंझुनूं में खेल विश्वविद्यालय अथवा राष्ट्रीय खेल संस्थान की स्थापना हो - बृजेंद्र सिंह ओला

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

झुंझुनूं से सांसद बृजेंद्र सिंह ओला ने गुरुवार को लोकसभा में शून्यकाल के दौरान झुंझुनूं जिले सहित पूरे शेखावाटी क्षेत्र के युवाओं से जुड़े एक महत्वपूर्ण विषय को प्रभावी ढंग से सरकार के समक्ष रखा। सांसद ने कहा कि झुंझुनूं सहित शेखावाटी क्षेत्र देश की सेना में युवाओं की उल्लेखनीय भागीदारी, उच्च शैक्षणिक उपलब्धियों एवं खेल प्रतिभाओं के लिए विशेष पहचान रखता है। इस क्षेत्र ने देश को बड़ी संख्या में वीर सैनिक तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के उत्कृष्ट खिलाड़ी दिए हैं, जिन्होंने भारत का नाम गौरवान्वित किया है। लेकिन इतनी समृद्ध प्रतिभा होने के बावजूद क्षेत्र में आधुनिक खेल सुविधाओं एवं उच्च स्तरीय खेल शिक्षा संस्थानों का अभाव बना हुआ है। इसके कारण यहां के प्रतिभाशाली युवाओं को बेहतर प्रशिक्षण के लिए बड़े शहरों की ओर जाना पड़ता है, जिससे कई प्रतिभाएं पारिवारिक एवं आर्थिक कारणों से आगे नहीं बढ़ पातीं। इसलिए सांसद ने लोकसभा में सरकार से मांग की है कि झुंझुनूं जिले में एक खेल विश्वविद्यालय अथवा पटियाला जैसे राष्ट्रीय महत्व के खेल संस्थान की स्थापना की जाए, ताकि युवाओं को अपने क्षेत्र में ही गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण एवं अवसर प्राप्त हो सकें। इससे न केवल झुंझुनूं लोकसभा क्षेत्र बल्कि पूरे शेखावाटी क्षेत्र से देश को और अधिक उत्कृष्ट खिलाड़ी मिल सकेंगे।

सालासर पद यात्रियों के लिए दो दिवसीय सेवा शिविर आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी लक्ष्मणगढ नागरिक परिषद की ओर से सालासर पद यात्रियों के लिए दो दिवसीय सेवा शिविर लगाया गया। परिषद के अध्यक्ष विष्णु भूत तथा सचिव निशान्त गोयनका ने बताया कि सालासर मार्ग स्थित सनवाली गांव में जांगिड व्यावसायिक परिसर में 31 मार्च और एक अप्रैल को लगाये गए इस शिविर में पद यात्रियों ने आम और तरबूज रस, चाय-कॉफी, अल्पाहार और अल्प विश्राम जैसी सुविधाओं का लाभ उठाया।शिविर का शुभारम्भ नागरिक परिषद की कोलकाता स्थित केन्द्रीय इकाई के उपाध्यक्ष अशोक चूड़ीवाला, केन्द्रीय सचिव संदीप तोदी, सह सचिव सुरेन्द्र शर्मा, केन्द्रीय महिला प्रकोष्ठ की श्रीमती वीणा चूड़ीवाला तथा स्थानीय सदस्यों ने श्रीराम-हनुमान की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर सामूहिक आरती गायन के साथ किया। शिविर में परिषद की स्थानीय मुख्य इकाई के पदाधिकारियों और सदस्यों के साथ-साथ श्रीमती सोनू सोमानी के नेतृत्व में महिला प्रकोष्ठ तथा सुनील बूबना के नेतृत्व में युवा प्रकोष्ठ के सदस्यों ने सेवाएं दी।

फतेहाबाद में सदर रतिया पुलिस की कार्रवाई: नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर ले जाने वाला आरोपी गिरफ्तार

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद/रतिया।

रजत विजय रंगा । जिला पुलिस ने नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर ले जाने के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को काबू करने में सफलता हासिल की है। आरोपी को जल्द ही माननीय न्यायालय में पेश किया जाएगा। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन के दिशा-निर्देशन में थाना सदर रतिया पुलिस ने यह कार्रवाई की। थाना प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद ने जानकारी देते हुए बताया कि पीड़ित परिवार की ओर से दी गई शिकायत में कहा गया था कि उनकी नाबालिग पुत्री रात करीब 11 बजे बिना बताए घर से चली गई थी। परिजनों को आशंका थी कि एक युवक उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। शिकायत मिलते ही पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान आरोपी की पहचान सुनील कुमार पुत्र हंसराज निवासी मढ़, रतिया के रूप में हुई। पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को काबू कर लिया। इस संबंध में थाना सदर रतिया में अभियोग संख्या 65 दिनांक 01 अप्रैल 2026 को धारा 137(2) और 87 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस द्वारा मामले की आगामी जांच जारी है और आरोपी को न्यायालय में पेश किया जाएगा।

अंतर्राष्ट्रीय पटल पर स्वच्छता से बनी पहचान को बनाए रखने की जिम्मेदारी शहरवासियों की है- के के गुप्ता

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । स्वच्छ भारत मिशन शहर राजस्थान सरकार के ब्रांड एंबेसडर और नगर परिषद डूंगरपुर के पूर्व सभापति के के गुप्ता ने कहा है कि प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी के संकल्प और विजन को धरातल पर साकार करने के लिए तीसरी बार भरोसा व्यक्त करके मुझे राजस्थान का स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया है। गुप्ता ने कहा कि जनता के आशीर्वाद और सहयोग का असर है कि प्रदेश के 25 जिलों में स्वच्छता को लेकर कार्यशालाएं आयोजित की जा चुकी हैं और हर शहर में डूंगरपुर के नाम के चर्चे हैं। जनता का सहयोग रहा तो स्वच्छता के अंतरराष्ट्रीय पटल पर राजस्थान को अव्वल और डूंगरपुर को नंबर एक बनाकर रहेंगे। कार्यक्रम में शिक्षाविद दिनेश चंद्र श्रीमाल, पूर्व उपसभापति पूरणमल दावड़ा, रोशन दोशी, महावीर इंटरनेशनल के अध्यक्ष विजय जैन, धनेश्वर पंड्या, गिरीश पानेरी एवं प्रभु लाल पटेल मंचासीन रहे। गुप्ता ने कहा कि बतौर सभापति 5 साल का कार्यकाल शहरी विकास और स्वच्छता के दस्तावेज के रूप में है। शहर की जनता को स्वच्छता से समझौता नहीं करने देंगे। सख्ती भी करनी पड़े तो स्वच्छता के लिए करेंगे। गुप्ता ने कहा कि डूंगरपुर मेरा दिल है और मेरे दिल में डूंगरपुर सदैव रहेगा। गुप्ता ने अपने सभापति कार्यकाल के अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि सभापति की कुर्सी संभाली तो चुनौतियां बड़ी थी। डूंगरपुर की जनता ने मुझ जैसे साधारण व्यक्ति को असाधारण कार्यों के लिए चुना तो हमने भी जन उम्मीदों को साकार करने 5 साल तक पूरी ताकत से काम किया। डूंगरपुर मेरी कर्मभूमि रही है। डूंगरपुर की पावन और दिव्य धरा के लिए हर संभव कार्य पूरी ताकत के साथ करूंगा। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश में जहां कहीं भी जाता हूं डूंगरपुर का नाम जरूर लेता हूं। तीसरी बार ब्रांड एंबेसडर बना तो पूरे राजस्थान में खलबली मची और सर्वाधिक खलबली डूंगरपुर में मची है। स्वच्छता हर हाल में कायम रहेगी और डूंगरपुर को नंबर एक बनाने तक ना रुकेंगे ना ही थकेंगे।

नगर के युवाओं को उच्च शिक्षा के लिए दिया संबल

नगर के युवा वर्ग को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने हेतु अच्छी लाइब्रेरी नगर परिषद द्वारा उपलब्ध कराई गई। जो भी पुस्तक की मांग विद्यार्थी करते थे मात्र 3 दिन में वह पुस्तक उपलब्ध करवाने के साथ-साथ आईएएस, आईपीएस, आरजेएस, आर ए एस जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए विशेष सुविधाएं उपलब्ध करवाने की व्यवस्था की गई और जब भी कोई सरकारी नौकरी के आवेदन निकलते थे तब निशुल्क रूप से अच्छी कोचिंग की व्यवस्था के साथ-साथ अंग्रेजी सीखने और कंप्यूटर सीखने के निशुल्क व्यवस्था 365 दिन की गई। नगर के 73 विद्यालयों के टॉयलेट की मरम्मत तथा उन्हें नियमित साफ करने का काम भी नगर परिषद द्वारा किया गया।

जल संरक्षण और जल संचय

सर्वप्रथम शहर ही पूरानी बावे एवं कुओं की सफाई करवाकर गहरे कर उनसे प्रतिदिन 8 लाख लीटर पानी नियमित रूप से जलदाय विभाग को देने का कार्य किया। क्षेत्र में शहर की झील, तालाबों को गहरा एवं साफ करवाया जिससे वर्षा का पानी लम्बे समय एवं प्रचूर मात्रा में एकत्रित करने में सहायक सिद्ध हुआ। शहर के 100 सरकारी बिल्डिंगों व 500 घरों को वाटर हार्वेस्टिंग से जोडने का कार्य तीव्र गति से किया जिसमें छतों का वर्षा का पानी वाटर हार्वेस्टिंग के द्वारा बोरिंग से सीधा धरती में उतारा तथा एक साल में ही धरती के पानी का स्तर 20 फीट बढ़ गया एवं जो पानी का टीडीएस पहले 840 तक था वह घटकर 570 पर आ गया। शहर के नकारा 100 हैण्डपम्पों को वाटर हार्वेस्टिंग से जोडा गया जो आज भरपूर पानी दे रहे है। भारत सरकार के केन्द्रीय मंत्री श्री गजेन्द्रसिंह जी शेखावत द्वारा केबिनेट मिटिंग में दिल्ली सरकार के मुख्य मंत्री को डूंगरपुर जाकर जल समस्या हेतु किए उपायों को दिल्ली में करने हेतु निर्देशित किया गया। तत्पश्चात् दिल्ली से मंत्री और उनकी पूरी टीम दिल्ली से आयी तथा डूंगरपुर की तर्ज पर वाटर हार्वेस्टिंग का कार्य दिल्ली में करवाने का निर्णय लिया था दिल्ली में हर घर में वाटर हार्वेस्टिंग डूंगरपुर की तर्ज पर करने 50 हजार रूपये प्रति घर सब्सिडी एवं पानी के बिल में 10 प्रतिशत कटौती की घोषणा भी की गई।

बेसहारा महिलाओं को जीने का दिया आसरा

बेरोजगार और विधवा महिलाओं के लिए 100 सिलाई मशीन, पापड़ बनाने, पत्तल दोना बनाने तथा सेनेटरी पैड बनाने की मशीन लगाकर उन्हें रोजगार से जोड़ने का कार्य किया, जहां करीब 1500 महिलाओं ने प्रशिक्षण लेकर आज अपने परिवार का लालन पोषण कर रही हैं तथा नियमित 40 महिलाएं आज भी उन्नति सेवा संस्थान में रोजगार प्राप्त कर रही है।

नगर मे हरित क्रांति का सूत्रपात

शहर में प्रतिवर्ष 5 हजार वृक्ष लगाने के लक्ष्य को लेकर चलते हुए नगर परिषद द्वारा 25 हजार से अधिक वृक्ष लगाकर शहर को हरा भरा कर दिया। आज ये वृक्ष बड़े हो गए है और आमजन को छाया और शुद्ध हवा दे रहे है।

नगर परिषद बनी दिव्यांगो के लिए बैसाखी

दिव्यांगता के अभिशाप को समाप्त करना और दिव्यांग को आत्मनिर्भर बनाने को लेकर नगर परिषद् द्वारा एक सार्थक प्रयास शुरू किया है जिससे शहर में विकलांगता के अभिशाप को समाप्त किया। नगर परिषद् द्वारा दिव्यांगों के लिए कौशल प्रशिक्षण शिविर में 50 दिव्यांगों को जोडा गया है। नगर परिषद् ने दिव्यांगों को बैसाखी से मुक्त करने के उद्देश्य से नगर परिषद् के एक सामुदायिक भवन में पूजा बनाना, हर्बल गुलाल, मसाला उत्पादन, सिलाई प्रशिक्षण, मीनाकारी और कुर्सी भराई तथा मशीनों से कपडे एवं कागज की थैलियां बनाने आदि कार्यो का प्रशिक्षण दिया गया।

श्मशान घाट मरम्मत व मंदिरो का जीर्णोद्धार

श्मशान घाट की सफाई ने भी आमजन को खासा संदेश दिया कि जब हमारा श्मशान घाट स्वच्छता से ओत प्रोत हो सकता है तो हमारा मंदिर रूपी शहर क्या नही हो सकता? शहरी क्षेत्र में वर्षो से जीर्ण शीर्ण एवं उपेक्षित पड़े मंदिरो के जीर्णोद्धार एवं कायाकल्प करने का अपने हाथो में लिए और देखते ही देखते शहर 19 मंदिरों को जीर्णोद्धार कर सकारात्मक ऊर्जा के प्रतीक को जीवित कर दिया। शहर के आराध्य देव भगवान् मुरला गणेश मंदिर का परिसर इस जीर्णोद्धार का जीवंत उदहारण है।

भूखे के लिए निवाले का माध्यम बने

यह रोटी बैंक गरीबों और भूखों को नि:शुल्क भोजन उपलब्ध करा रहा है और सुकून भी। इस रोटी बैंक में 81 ट्रस्टी बनाये गए है जो इस संस्था के सदस्य होंगे और ये रोटी बैंक वही चलाएंगे प्रत्येक ट्रस्टी ने रोटी बैक के संचालन हेतु 1-1 लाख रूपया देकर आजीवन ट्रस्टी बने। कोरोना काल में भूख की चुनौती झेल रहे गरीबों के लिए रोटी बैंक अन्नपूर्णा का महाधाम साबित हुई है।

महारैली निकालकर स्वच्छता का दिया संदेश

फरवरी 2019 में नगर परिषद द्वारा स्वच्छता की महारैली का आयोजन स्थानीय लक्ष्मण मैदान में किया गया। जिसमें राजस्थान सरकार में तत्कालीन कैबिनेट मंत्री महोदय और तत्कालीन प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और अन्य बड़े अधिकारी इस रैली के साक्षी रहे। लगभग 5 किलोमीटर लंबी स्वच्छता महारैली में डूंगरपुर नगर के 50 हजार से अधिक व्यक्तियों तथा 18 हजार स्कूली बच्चों ने सहभागिता निभाई।

बैल जंपर आरोपी काबू : थाना शहर टोहाना पुलिस की कार्रवाई

एनडीपीएस एक्ट के मामले में न्यायालय से बैल जंप कर फरार चल रहे आरोपी को काबू किया गया

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशन में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना शहर टोहाना पुलिस ने न्यायालय से बैल जंप कर फरार चल रहे एक आरोपी को काबू करने में सफलता प्राप्त की है। थाना शहर टोहाना प्रभारी निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि काबू किए गए आरोपी की पहचान मिथु सिंह पुत्र जगर सिंह निवासी भठूवा, जिला संगरूर (पंजाब) के रूप में हुई है। आरोपी थाना शहर टोहाना में दर्ज अभियोग संख्या 525 दिनांक 30.10.2022 धारा 15बी एनडीपीएस एक्ट के मामले में वांछित था तथा न्यायालय से बैल जंप कर फरार चल रहा था। थाना शहर टोहाना पुलिस टीम ने गुप्त सूचना एवं तकनीकी सहायता के आधार पर योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई करते हुए आरोपी को काबू किया। वर्तमान में आरोपी पुलिस लॉकअप में है तथा नियमानुसार आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूर्ण करने के उपरांत आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश किया जाएगा। फतेहाबाद पुलिस ने स्पष्ट किया है कि न्यायालय से फरार एवं बैल जंप करने वाले आरोपियों के विरुद्ध विशेष अभियान निरंतर सख्ती के साथ जारी है तथा ऐसे आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है।

हरियाणा की भाजपा सरकार का हरियाणा के बुजुर्गों को तौफा

मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत नांदेड़ के लिए नि:शुल्क यात्रा, 15 अप्रैल तक करें पंजीकरण

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । हरियाणा सरकार द्वारा प्रदेश के वरिष्ठ नागरिकों के लिए चलाई जा रही मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के अंतर्गत तख्त सचखंड हजूर साहिब (नांदेड़) की नि:शुल्क यात्रा का लाभ उठाने का सुनहरा अवसर प्रदान किया जा रहा है। इस योजना के तहत जिला के ऐसे वरिष्ठ नागरिक, जिनकी आयु 60 वर्ष या उससे अधिक है तथा पारिवारिक आय 1.80 लाख रुपये से कम है, वे 15 अप्रैल तक सरल हरियाणा पोर्टल पर अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी दिनेश कुमार ने बताया कि इस पवित्र यात्रा के लिए श्रद्धालुओं को विशेष रेलगाड़ी के माध्यम से भेजा जाएगा। नायब सिंह सैनी 5 मई को कुरुक्षेत्र से विशेष रेलगाड़ी को हरी झंडी दिखाकर श्रद्धालुओं को नांदेड़ के लिए रवाना करेंगे। उन्होंने बताया कि इस योजना का उद्देश्य प्रदेश के वरिष्ठ नागरिकों को धार्मिक स्थलों के दर्शन करवाना तथा उन्हें आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करना है। इच्छुक पात्र व्यक्ति समय रहते सरल हरियाणा पोर्टल पर जाकर अपना पंजीकरण करें, ताकि वे इस पावन यात्रा का लाभ उठा सकें। डीआईपीआरओ ने आमजन से अपील की है कि वे अपने आसपास के पात्र वरिष्ठ नागरिकों को भी इस योजना की जानकारी दें, ताकि अधिक से अधिक लोग इस योजना का लाभ प्राप्त कर सकें।

तीन दिन थमेगी रफ्तार: आगरा रेलवे फाटक 82 रहेगा बंद, दोहरीकरण कार्य के चलते बदलेगा मंडावर का यातायात समीकरण

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । रेल पटरियों के विस्तार के साथ अब शहर की रफ्तार पर भी तीन दिनो तक विराम लगने जा रहा है। रेलवे प्रशासन द्वारा मंडावर शहर स्थित आगरा रेलवे फाटक संख्या 82 को आगामी 04 अप्रैल से 06 अप्रैल 2026 तक तीन दिनों के लिए पूर्ण रूप से बंद रखने का निर्णय लिया गया है, जिस पर उपखंड अधिकारी मंडावर अमित वर्मा ने विधिवत आदेश जारी कर दिए हैं। तहसीलदार मंडावर की जांच रिपोर्ट के आधार पर यह स्पष्ट किया गया है कि रेलवे दोहरीकरण कार्य के चलते इस महत्वपूर्ण फाटक को अस्थायी रूप से तीन दिवसो के लिये तीन दिवसो हेतु बंद करना अपरिहार्य हो गया है। गौरतलब है कि यह वही फाटक है जो सीधे गाँव मंडावर की जीवनरेखा माना जाता है, जहां से रोजमर्रा की आवाजाही का बड़ा हिस्सा गुजरता है। ऐसे में 'रास्ते बंद हों तो राहें बदलनी पड़ती हैं' की तर्ज पर प्रशासन ने वैकल्पिक मार्ग भी निर्धारित किया है। छोटे वाहनों–जिनमें चौपहिया और बाइक शामिल हैं–को गढ़ी (अलवर) फाटक संख्या 83 के रास्ते मंडावर गांव की ओर भेजा जाएगा। यह मार्ग बालाजी मंदिर होकर गुजरता है, जिसे इस दौरान मुख्य वैकल्पिक रास्ते के रूप में उपयोग में लिया जाएगा। प्रशासन ने इस निर्णय के साथ स्पष्ट निर्देश भी जारी किए हैं कि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं। मीडीया के जरिये पूर्व सूचना का प्रकाशन अनिवार्य किया गया है ताकि ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के लोग समय रहते अपनी यात्रा योजना में बदलाव कर सकें। साथ ही मार्ग परिवर्तन से संबंधित संकेतक बोर्ड निर्धारित स्थानों पर लगाए जाने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे अनजान राहगीरों को भटकाव का सामना न करना पड़े। ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर भी प्रशासन ने सख्ती दिखाई है। स्पष्ट रूप से कहा गया है कि यदि कहीं जाम की स्थिति उत्पन्न होती है तो संबंधित विभाग तत्काल स्थानीय ट्रैफिक इंचार्ज के सहयोग से यातायात को सुचारू बनाए रखने की जिम्मेदारी निभाएंगे। यह व्यवस्था इस बात का संकेत है कि प्रशासन इस बदलाव को केवल आदेश तक सीमित नहीं रखना चाहता, बल्कि जमीनी स्तर पर उसकी प्रभावी क्रियान्विति भी सुनिश्चित करना चाहता है। ग्रामीण अंचल में अक्सर कहा जाता है, 'काम बड़ा हो तो थोड़ी परेशानी भी सहनी पड़ती है ', और रेलवे का यह दोहरीकरण कार्य भविष्य में सुगम यातायात और तेज रेल सेवा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। हालांकि इन तीन दिनों के लिए आमजन को थोड़ी असुविधा जरूर झेलनी पड़ेगी, लेकिन आने वाले समय में यही बदलाव विकास की नई पटरी बिछाने का आधार बनेगा।

अलवर-करौली हाईवे पर ट्रेलर की चपेट में आई महिला की इलाज के दौरान मौत

हाईवे स्थित अमरपुर-खेड़ा मंगलसिंह के बीच स्थित कविता होटल के पास हुआ यह हादसा

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

हेमलता बैरवा मृतक महिला।

मनोज खंडेलवाल । अलवर-करौली हाईवे पर अमरपुर- खेड़ा मंगलसिंह के बीच स्थित कविता होटल के समीप बुधवार देर शाम हुई दर्दनाक सड़क दुर्घटना ने एक परिवार की खुशियों को चंद पलों में मातम में बदल दिया। हाईवे स्थित कविता होटल के समीप बने ब्रेकर पर पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रेलर ने बाइक सवार दम्पत्ति को टक्कर मार दी, जिससे बाइक अनियंत्रित हो गई और पीछे बैठी महिला हेमलता बैरवा सडक पर गिर गई तथा ट्रेलर की चपेट में आ गई। गंभीर हालत में उसे मंडावर सीएचसी लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद जयपुर रेफर किया गया, लेकिन उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। 'किस्मत की मार ऐसी पड़ी कि खुशियों के दीपक जलने से पहले ही बुझ गए ', इस हादसे ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया। मृतक महिला के चाची ससुर जटवाड़ा थाना मंडावर निवासी अशोक बैरवा ने बताया कि उसका भतीजा सोनू बैरवा अपनी पत्नी हेमलता के साथ बुधवार शाम अपने साले के 10 वर्षीय पुत्र मयंक को ढिगावड़ा (अलवर) छोड़ने जा रहा था। अमरपुर स्थित कविता होटल के पास बने ब्रेकर पर जैसे ही उसकी बाइक धीमी हुई, पीछे से आए ट्रेलर संख्या आरजे-29 जीबी-8270 के चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही बाइक अनियंत्रित हो गई और पीछे बैठी हेमलता सड़क पर गिर गई। इससे पहले कि वह संभल पाती, ट्रेलर उसके कमर के नीचे के हिस्से को रौंदता हुआ निकल गया। 'जिंदगी की राहों में एक पल की चूक, हमेशा के लिए सब कुछ छीन लेती है ', यह मंजर देख मौके पर मौजूद लोग सन्न रह गए। हादसे के बाद चालक व खलासी ट्रेलर को कुछ दूरी पर खड़ा कर मौके से फरार हो गए। महिला के पति द्वारा दी गई सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और राहगीरों की मदद से एम्बुलेंस को सूचना दी गई, लेकिन समय पर एम्बुलेंस नहीं पहुंचने के कारण गंभीर घायल हेमलता को निजी वाहन से ही मंडावर सीएचसी ले जाया गया। वहां से चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे जयपुर रेफर कर दिया। परिजन निजी एम्बुलेंस से उसे एसएमएस अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर ले गए, जहां कुछ समय बाद इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। गुरुवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा गया, जिसके बाद उसे अंतिम संस्कार के लिए जटवाड़ा गांव ले जाया गया। इस दर्दनाक हादसे ने उस परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया, जहां हाल ही में मृतका के दोनों बेटों की सफलता से खुशियों का माहौल था। मृतका का बड़ा पुत्र सौरभ हाल ही में बारहवीं बोर्ड परीक्षा में उत्तीर्ण हुआ था, जबकि छोटा पुत्र गौरव दसवीं में पास हुआ है। पिता सोनू बैरवा मेहनत-मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करता है, लेकिन अब 'घर का चूल्हा तो जलेगा, पर मां की ममता की छांव सदा के लिए उजड़ गई।' पूरे परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है और गांव में शोक की लहर व्याप्त है। गौरतलब है कि समाचार लिखे जाने तक इस मामले में ट्रेलर चालक के खिलाफ कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है।

दुर्घटना के बाद मौके पर खडा ट्रेलर।

महात्मा ज्योतिबा फुले को भारत रत्न देने की मांग तेज, भीम आर्मी ने सौंपा राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन

जिलाध्यक्ष विकास आल्हा के नेतृत्व में कलेक्टर को ज्ञापन, समाज सुधार में फुले के योगदान को बताया अतुलनीय

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

महात्मा ज्योतिबा फुले को देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' देने की मांग को लेकर आज भीम आर्मी भारत एकता मिशन द्वारा जिला कलेक्टर के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा गया। यह ज्ञापन भीम आर्मी जिलाध्यक्ष विकास आल्हा के नेतृत्व में दिया गया। ज्ञापन में बताया गया कि महात्मा ज्योतिबा फुले भारत के महान समाज सुधारक, शिक्षाविद् एवं समानता के अग्रदूत थे, जिन्होंने समाज में व्याप्त जाति-पाति, छुआछूत और लैंगिक भेदभाव के खिलाफ आजीवन संघर्ष किया। भीम आर्मी के प्रतिनिधियों ने कहा कि फुले ने अपनी पत्नी सावित्रीबाई फुले के साथ मिलकर देश का पहला बालिका विद्यालय शुरू किया, जो उस समय एक ऐतिहासिक और क्रांतिकारी पहल थी। उनके प्रयासों से शिक्षा का व्यापक प्रसार हुआ और समाज में जागरूकता आई। इसके साथ ही उन्होंने सत्यशोधक समाज की स्थापना कर सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ आंदोलन चलाया और समाज को समानता, स्वतंत्रता एवं बंधुत्व का संदेश दिया।

भीम आर्मी भारत एकता मिशन झुंझुनूं ने अपने ज्ञापन में मांग की कि महात्मा फुले के अतुलनीय योगदान को देखते हुए उन्हें 'भारत रत्न' से सम्मानित किया जाए, जिससे उनके आदर्शों को और अधिक बढ़ावा मिल सके। इस अवसर पर आजाद समाज पार्टी जिला अध्यक्ष महेंद्र सिंह चारावास, भीम आर्मी विधानसभा अध्यक्ष कमलेश काला, मंडावा विधानसभा अध्यक्ष सुदर्शन मेहरिया, एडवोकेट राकेश सबलानिया, अशोक, राजेश गोठवाल, मनोज मेहरानिया बजावा, अरविंद कुमावस, विक्रम इंडाली सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहें।

झुंझुनूं में 2 अप्रैल के शहीदों को श्रद्धांजलि, SC/ST समाज के संगठनों ने किया नमन

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

2 अप्रैल 2018 को एससी/एसटी एक्ट के समर्थन में हुए ऐतिहासिक आंदोलन के दौरान शहीद हुए वीरों की स्मृति में आज अंबेडकर पार्क, झुंझुनूं में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एससी-एसटी समाज के विभिन्न सामाजिक संगठनों ने भाग लेकर शहीदों को नमन किया और उनके बलिदान को याद किया। कार्यक्रम के दौरान झुंझुनूं जिले के शहीद नरेंद्र बेरवाल के परिवार को समाज की ओर से माला व शाल पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफेसर जयलाल सिंह ने की। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने शहीदों के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा दो मिनट का मौन रखकर उन्हें याद किया। सभा को संबोधित करते हुए प्रो. जयलाल सिंह ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम प्रतिवर्ष जिला मुख्यालय पर आयोजित किए जाएंगे, जिससे शहीदों की स्मृति जीवित बनी रहे। बलवीर सिंह काला ने शहीद परिवारों को हर संभव सहायता देने का आश्वासन दिया। वहीं रामनिवास भूरिया ने कहा कि शहीद परिवारों की बहनों के विवाह में मेघवंशीय समाज चेतना संस्थान हरसंभव सहयोग करेगा।रामानंद आर्य ने कहा कि समाज शहीदों की कुर्बानी को व्यर्थ नहीं जाने देगा। विकास आल्हा ने 2 अप्रैल 2018 को सामाजिक न्याय की लड़ाई का ऐतिहासिक दिन बताते हुए कहा कि यह दिन हमेशा याद रखा जाएगा, जब समाज ने अपने अधिकारों के लिए एकजुट होकर आवाज उठाई। कार्यक्रम में वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि शहीदों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा और समाज उनके बताए मार्ग पर चलकर एकजुट रहेगा। उन्होंने कहा कि एससी-एसटी समाज अपने अधिकारों और सम्मान की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष करता रहेगा। इस अवसर पर भीम आर्मी, आजाद समाज पार्टी, समता सैनिक दल सहित विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इनमें विकास आल्हा, महेंद्र सिंह चारावास, धर्मपाल बौद्ध, ओमप्रकाश सुनिया, नरेंद्र टंडन, रामानंद आर्य, बलबीर काला, रामनिवास भूरिया, लीलाधर चौहान, कमलेश काला, सुदर्शन मेहरिया, डॉ. कमल मीणा, डॉ. राकेश माहिच, डॉ. जितेंद्र लोयल, हरलाल सिंह, राहुल, दिनेश, राकेश, नरोतम, डीके मेहरिया, अशोक, महेश, एडवोकेट राकेश डिग्रवाल, एडवोकेट धर्मपाल, सुभाष, प्रदीप, ओमप्रकाश सेवदा, रोहितास, बंशीधर, दयानंद, महावीर, अनुराग भारू, सुनील राठी, मनोज, विकास कड़वासरा, सवाईसिंह, मनींद्र, दिनेश, सुरेश, राजेंद्र, मदन, राधेश्याम, नरसिंह सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहें।

बार एसोसिएशन टोहाना के आगामी वार्षिक चुनाव 2026 की हलचल हुई शुरू

दो वैश्य समाज से अधिवक्ताओं के बीच प्रधान पद के लिए मुकाबला होने की प्रबल संभावना

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । बार काउंसिल ऑफ पंजाब व हरियाणा के चुनावों की प्रक्रिया लगभग-लगभग अंतिम चरणों में है तथा निकट भविष्य में उसके अंतिम प्रणामों की भी घोषणा होने की संभावना है तथा इसी प्रक्रिया के समाप्ती के बाद हरियाणा में सभी जिलों व सब डिवीजन में सभी बार एसोसिएशन के चुनावों के भी होने तय है। इसी प्रक्रिया में टोहाना बार एसोसिएशन के चुनाव 2026भी होंगे।आज टोहाना बार एसोसिएशन के सदस्यों में बिना किसी आधिकारिक घोषणा हुए बार एसोसिएशन टोहाना 2026के प्रधान पद के लिए सुगबुगाहट देखी गई जिसमें देखने में आया कि दो पूर्व प्रधान जो दोनों ही वैश्य समाज से आते हैं ने प्रधान पद के लिए ताल ठोकने का मन बना लिया है। बार एसोसिएशन टोहाना में वैसे तो प्रधान पद के लिए कौन कौन प्रत्याशी होंगे यह तो भविष्य के गर्भ में है परंतु यह स्पष्ट हो चला है कि वैश्य समाज के दोनों पूर्व प्रधानों के बीच इस बार मुकाबला बेहद रोमांचक व दिलचस्प होगा। टोहाना बार एसोसिएशन के सदस्यों से प्राप्त जानकारी से पता चला कि अगर मुकाबला वास्तव में दोनों पूर्व प्रधानों के बीच हुआ तो टोहाना बार एसोसिएशन के चुनाव इस बार यादगार बन सकते हैं क्योंकि दोनों संभावित उम्मीदवार वैश्य समाज में अपनी अच्छी पेठ रखते हैं तथा दोनों मिलनसार व दोनों संभावित प्रत्याशीयों का बार एसोसिएशन टोहाना में भी अच्छा रसूख है। अब देखने की बात है कि दोनों संभावित उम्मीदवार भविष्य के लिए क्या रणनीति तय करते हैं।बार एसोसिएशन टोहाना के अधिवक्ता गण भी देख रहे हैं कि देखते हैं इस बार मुकाबला में एक किस करवट बैठेगा।

स्व-गणना के व्यापक प्रचार-प्रसार पर जोर

स्व-गणना के लिए 16 अप्रैल से खुलेगा पोर्टल: डीसी डॉ. विवेक भारती

डीसी ने सेल्फ-एन्यूमरेशन के लिए व्यापक अभियान चलाने के दिए निर्देश

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । जनगणना-2027 के तहत स्व-गणना (सेल्फ-एन्यूमरेशन) के अधिकतम प्रचार-प्रसार पर जोर देते हुए डीसी एवं प्रधान जनगणना अधिकारी डॉ. विवेक भारती ने सभी चार्ज अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाएं और नागरिकों को स्वयं अपनी गणना करने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने बताया कि 16 अप्रैल से स्व-गणना के लिए ऑनलाइन पोर्टल खोला जाएगा, जिस पर नागरिक पंजीकरण कर अपनी जानकारी स्वयं दर्ज कर सकेंगे। डीसी ने कहा कि जनगणना से जनकल्याण की थीम के तहत इस बार जनगणना-2027 पूरी तरह डिजिटल प्रणाली से आयोजित की जाएगी, इसलिए स्व-गणना के विकल्प को सफल बनाने के लिए व्यापक स्तर पर जागरूकता और प्रचार-प्रसार बेहद आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे गांव-गांव, वार्ड स्तर और विभागीय माध्यमों से इस सुविधा का अधिकतम प्रचार करें, ताकि अधिक से अधिक नागरिक इस प्रक्रिया में भागीदारी सुनिश्चित कर सकें। वीरवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से हरियाणा के जनगणना संचालन निदेशक (डीसीओ) एवं नागरिक पंजीकरण निदेशक (डीसीआर) ललित जैन ने भी सभी जिला उपायुक्तों से स्व-गणना के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार करने का आह्वान किया। डीसी डॉ. विवेक भारती ने स्पष्ट किया कि जनगणना कार्य में लगे सभी अधिकारी व कर्मचारी अपनी जिम्मेदारी को गंभीरता से निभाएं और लोगों को स्व-गणना के लाभों के बारे में जागरूक करें। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि विभागीय कर्मचारी, जनप्रतिनिधि और स्थानीय स्तर के प्रभावशाली व्यक्तियों को भी इस अभियान से जोड़कर स्व-गणना को जन आंदोलन का रूप दिया जाए। उन्होंने बताया कि जनगणना दो चरणों में आयोजित की जाएगी, जिसमें पहला चरण मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना 1 मई से 30 मई 2026 तक तथा दूसरा चरण जनसंख्या गणना 9 फरवरी से 28 फरवरी 2027 तक होगा। इस बार नागरिकों को 16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक सेल्फ-एन्यूमरेशन का विकल्प मिलेगा, जिसके तहत वे ऑनलाइन पोर्टल या मोबाइल एप के माध्यम से स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे। जानकारी सबमिट करने पर उन्हें एसएमएस व ई-मेल के जरिए एक यूनिक सेल्फ-एन्यूमरेशन आईडी प्राप्त होगी, जिसके बाद गणनाकर्मी केवल मौके पर पहुंचकर जानकारी का सत्यापन करेंगे। डीसी ने बताया कि पूरी प्रक्रिया तकनीक आधारित होगी और गणनाकर्मी विशेष हाउस लिस्टिंग ऑपरेशन मोबाइल एप का उपयोग करेंगे, जो ऑफलाइन मोड में भी कार्य करेगा और नेटवर्क उपलब्ध होते ही डाटा स्वतः सिंक्रोनाइज हो जाएगा। यह एप एंड्रॉयड और आईओएस दोनों प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध रहेगा, जिससे दूरदराज क्षेत्रों में भी कार्य प्रभावित नहीं होगा। वीडियो कॉन्फ्रेंस में एसडीएम राजेश कुमार, सीटीएम गौरव गुप्ता, डीआईओ सिकंदर, जिला जनगणना कोऑर्डिनेटर मेघा, सांख्यिकी अधिकारी प्रवीण सहित अन्य चार्ज अधिकारी मौजूद रहे।

2 अप्रैल का संघर्ष और आज का बहुजन आंदोलन

एकता, चेतना और नए दौर की दिशा

भीम प्रज्ञा रिव्यू न्यूज़@मीना एच पंवार

2 अप्रैल 2018 का दिन भारतीय लोकतांत्रिक इतिहास में एक महत्वपूर्ण पड़ाव के रूप में दर्ज है। इस दिन अनुसूचित जाति एवं जनजाति समुदायों ने एकजुट होकर अपने अधिकारों और सम्मान की रक्षा के लिए देशव्यापी आंदोलन किया। यह आंदोलन केवल एक विरोध नहीं था, बल्कि सामाजिक न्याय, संवैधानिक अधिकारों और समानता की मूल भावना को पुनः स्थापित करने का एक सशक्त प्रयास था। इस संघर्ष की पृष्ठभूमि में अनुसूचित जाति एवं जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम को कमजोर करने के प्रयासों के खिलाफ गहरी असंतोष की भावना थी। देश के विभिन्न हिस्सों में लाखों लोगों ने शांतिपूर्ण तरीके से अपनी आवाज बुलंद की। यह आंदोलन इस बात का प्रमाण था कि जब अधिकारों पर संकट आता है, तब बहुजन समाज एकजुट होकर अपने अस्तित्व और अस्मिता की रक्षा के लिए खड़ा होता है।

आज, उस ऐतिहासिक आंदोलन को आठ वर्ष बीत चुके हैं, लेकिन उसकी गूंज आज भी बहुजन समाज की चेतना में स्पष्ट रूप से सुनाई देती है। वर्तमान समय में बहुजन आंदोलन कई नए आयामों के साथ आगे बढ़ रहा है। शिक्षा, सामाजिक जागरूकता, डिजिटल प्लेटफॉर्म और राजनीतिक भागीदारी के माध्यम से समाज अपने अधिकारों के प्रति अधिक सजग और संगठित हो रहा है। भारत रत्न बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर के

विचार आज भी इस आंदोलन की आत्मा हैं। उनका संदेश – 'शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो' – आज के युवाओं के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत बना हुआ है। बहुजन समाज अब केवल विरोध तक सीमित नहीं है, बल्कि सकारात्मक निर्माण, आत्मनिर्भरता और नेतृत्व की दिशा में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। हालांकि, चुनौतियां अभी भी मौजूद हैं। सामाजिक भेदभाव, आर्थिक असमानता और अवसरों की कमी जैसे मुद्दे आज भी पूरी तरह समाप्त नहीं हुए हैं। लेकिन इन चुनौतियों के बीच एक नई जागरूकता और आत्मविश्वास भी विकसित हुआ है, जो भविष्य के लिए आशा का संकेत देता है। वर्तमान बहुजन आंदोलन की सबसे बड़ी ताकत उसकी एकता और वैचारिक स्पष्टता है। आज का युवा वर्ग इतिहास से सीख लेकर अपने अधिकारों के लिए जागरूक है और संविधान की मूल भावना को समझते हुए आगे बढ़ रहा है। यह परिवर्तन केवल सामाजिक नहीं, बल्कि वैचारिक क्रांति का संकेत है।

अंततः, 2 अप्रैल 2018 का आंदोलन हमें यह सिखाता है कि संगठित समाज ही अपने अधिकारों की रक्षा कर सकता है। यह दिन केवल एक स्मृति नहीं, बल्कि एक प्रेरणा है – एक ऐसी प्रेरणा जो आने वाली पीढ़ियों को न्याय, समानता और सम्मान के लिए संघर्ष करने का साहस देती रहेगी। बहुजन समाज का यह सफर अभी जारी है, और जब तक समाज में पूर्ण समानता स्थापित नहीं हो जाती, तब तक यह संघर्ष भी निरंतर चलता रहेगा।

अटेली में चाय पर चर्चा कार्यक्रम में पहुंचीं आरती सिंह राव, स्वास्थ्य व विकास कार्यों की दी जानकारी

जल्द ही नारनौल में 300 बेड का अत्याधुनिक अस्पताल विकसित करवाया जाएगा-स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण, निस । अटेली में आयोजित चाय पर चर्चा कार्यक्रम में हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने शिरकत कर अटेली में लोगों से सीधा संवाद किया। इस दौरान उनका ढोल-नगाड़ों और जेसीबी से फूल वर्षा कर जोरदार स्वागत किया गया। बृहस्पतिवार को स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव रेवाड़ी से चलकर सबसे पहले माजरा में शहीद सिद्धार्थ अमर वाटिका का उद्घाटन किया। अटेली कस्बे में नपा के पूर्व चेयरमैन जसवंत यादव के नेतृत्व में जोरदार स्वागत अभिनंदन किया गया।इसके बाद वह अटेली नगर पालिका के वाइस चेयरमैन रामकिशन जागड़ा के निवास पर पहुंचीं और लोगों को संबोधित किया। उसके बाद अटेली नगरपालिका के चेयरमैन संजय गोयल के निवास पर आयोजित चाय पर चर्चा कार्यक्रम में भाग लेते हुए शहर व क्षेत्र के लोगों से संवाद किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि पिछले डेढ़ महीने से चंडीगढ़ में विधानसभा सत्र के चलते व्यस्तता रही। हाल ही में पेश बजट में मुख्यमंत्री द्वारा हेल्थ सेक्टर के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई हैं, जिनका लाभ आम जनता को मिलेगा। उन्होंने बताया कि उनके कार्यकाल में कई महत्वपूर्ण स्वास्थ्य परियोजनाएं शुरू की गई हैं। फर्स्ट रेफरल यूनिट, ब्लड स्टोरेज

व्यवस्था को मजबूत किया गया है। वहीं नारनौल सिविल अस्पताल का रुका हुआ कार्य दोबारा शुरू करवाया गया। नारनौल में सीटी स्कैन और एमआरआई जैसी आधुनिक मशीनें लगाई गई हैं। जल्द ही नारनौल में 300 बेड का अत्याधुनिक अस्पताल तैयार करवाया जाएगा जिससे लोगों को निजी अस्पतालों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि पूरे हरियाणा में आयुष्मान कार्ड के माध्यम से लोगों को मुफ्त इलाज की सुविधा मिल रही है। अटेली क्षेत्र में भी विकास कार्य तेजी से किए जा रहे हैं। अटेली में पीडब्ल्यूडी सडक़ के साथ लगते नाले का लगभग चार करोड़ रुपये से निर्माण कराया जा रहा है। इसके अलावा एक करोड़ रुपये की लागत से अंबेडकर पार्क का निर्माण किया जा रहा है। बीते एक वर्ष में अटेली मार्केट कमेटी में करीब साढ़े तीन करोड़ रुपये से सडक़ और नालों के कार्य करवाए गए हैं। उन्होंने कहा कि कुछ समय पहले लोगों को यह भ्रम फैलाया जा रहा था कि वह जनता से नहीं मिलेगी लेकिन अब यह गलतफहमी दूर हो चुकी है और वह लगातार क्षेत्रवासियों के बीच रहकर उनकी समस्याएं सुन रही हैं। स्वास्थ्य सेवाओं पर बोलते हुए उन्होंने बताया कि अटेली क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ किया गया है। महिलाओं के लिए बेहतर चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता रही है। क्षेत्र में विशेषज्ञ डॉक्टरों की तैनाती सुनिश्चित की गई है। अल्ट्रासाउंड मशीन उपलब्ध करवाई गई है। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में लोग निजी अस्पतालों का रुख करते हैं इसलिए सरकार का प्रयास है कि सरकारी अस्पतालों में ही बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं ताकि लोगों को महंगे इलाज के लिए बाहर न जाना पड़े। महेंद्रगढ़ जिले में कुल 54 नए सब सेंटर स्थापित किए जा रहे हैं जिनमें से 10 से अधिक अटेली क्षेत्र में हैं। विकास कार्यों का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि नगर पालिका द्वारा करीब दो करोड़ रुपये की लागत से अंबेडकर भवन का निर्माण किया जा रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में भी पहल करते हुए पुरानी मंडी में आधुनिक लाइब्रेरी का निर्माण कराया जाएगा जिससे विद्यार्थियों और युवाओं को बेहतर अध्ययन सुविधाएं मिल सकेंगी। इस मौके पर भाजपा उपाध्यक्ष वासुदेव यादव, पूर्व जिला अध्यक्ष दयराम यादव, मनीष मितल, पूर्व वाईस चेयरमैन जसवंत यादव, रामसिंह गोमला सरपंच, राधे सरपंच, विकास सरपंच,हिमांशु गोयल, भूपेश गुप्ता, अनिल दुघड़िया समेत अनेक भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

झुंझुनूं में भीम आर्मी ने नव नियुक्त पुलिस अधीक्षक काविंद्र सिंह सागर का किया स्वागत

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

भीम आर्मी संगठन द्वारा जिले के नव नियुक्त पुलिस अधीक्षक काविंद्र सिंह सागर का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। और संविधान निर्माता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर साहब की फोटो भेंट की।इस अवसर पर भीम आर्मी जिलाध्यक्ष विकास आल्हा के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट किया और नए दायित्व के लिए शुभकामनाएं दीं। जिलाध्यक्ष विकास आल्हा ने कहा कि भीम आर्मी सदैव सामाजिक न्याय, शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन के साथ सहयोग करती रही है और आगे भी करती रहेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि नए पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में जिले में अपराध पर प्रभावी नियंत्रण होगा और आमजन को बेहतर सुरक्षा मिलेगी।

नव नियुक्त पुलिस अधीक्षक ने भीम आर्मी के पदाधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पुलिस और समाज के आपसी सहयोग से ही कानून व्यवस्था मजबूत होती है। उन्होंने सभी से मिलकर कार्य करने और जिले में शांति बनाए रखने की अपील की। इस दौरान भीम आर्मी कानूनी सलाहकार संजीव सिंघल, एडवोकेट धर्मपाल बंशीलाल , भीम आर्मी विधानसभा अध्यक्ष कमलेश काला, मंडावा विधानसभा अध्यक्ष सुदर्शन मेहरिया, अशोक मंडावा,मनोज बजावा, राजेश गोठवाल भीम आर्मी के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आस्था का धन लोककल्याण में, जीवन में संयम और संस्कार अपनाएं – राजेश जी महाराज

श्री बालाजी विशाल धाम, गोपाल की ढाणी में हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम से सम्पन्न, छप्पन भोग व भजन संध्या से भक्तिमय हुआ माहौल

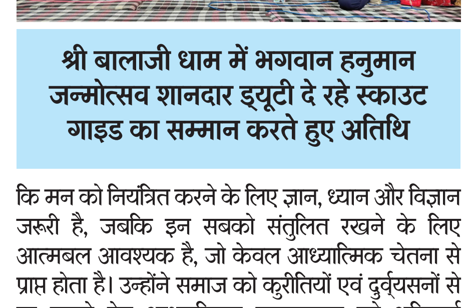

श्री बालाजी धाम में भगवान हनुमान जन्मोत्सव शानदार ड्यूटी दे रहे स्काउट गाइड का सम्मान करते हुए अतिथि

भीम प्रज्ञा न्यूज़ बुहाना।

हनुमान जयंती के पावन अवसर पर श्री बालाजी विशाल धाम (पचेरी रोड, गोपाल की ढाणी) में भव्य धार्मिक आयोजन के साथ भगवान हनुमान जी का जन्मोत्सव बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम धाम के पीठाधीश्वर राजेश जी महाराज के सानिध्य में सम्पन्न हुआ, जिसमें छप्पन भोग प्रसाद अर्पित कर विशेष पूजा-अर्चना की गई तथा भक्तों ने केक काटकर उत्सव को अनूठे ढंग से मनाया। कार्यक्रम के दौरान भजन संध्या एवं जागरण का आयोजन किया गया, जिसमें संत आकाश गिरी महाराज, श्याम सुंदर वृंदावन एवं सुभाष गिरी महाराज का सानिध्य प्राप्त हुआ। भक्ति रस से सराबोर इस आयोजन में गायक कलाकार विजेंद्र कसाना एवं मनीष यादव ने भजन प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया, वहीं देव झांकियों ने आध्यात्मिक वातावरण को और अधिक जीवंत बना दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इंजीनियर नेहरा (निदेशक, नोबल एजुकेशन ग्रुप) रहे, जबकि विशिष्ट अतिथियों में एडवोकेट हरेश पंवार, मदनलाल, सूबेदार रोहिताश मान, गोविंद शर्मा, गुलजारीलाल, उदय सिंह, दिलीप, सांवरमल, अभिषेक शास्त्री, संजय गंगाखेड़ी, विनोद शर्मा, संदीप शर्मा, राजेश सेन, सुशील सेन, सत्य प्रकाश, होशियार सिंह, आशा रानी एवं रवि शर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एडवोकेट हरेश पंवार द्वारा प्रभावी रूप से किया गया। उन्होंने अपने संबोधन में आध्यात्मिक चेतना के साथ सामाजिक संस्कारों की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए समाज में नैतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने की आवश्यकता बताई। मुख्य अतिथि संदीप नेहरा ने अपने उद्बोधन में कहा कि जिस प्रकार शरीर को भोजन और पानी की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार आत्मा को भी आध्यात्मिक खुराक की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि मन को नियंत्रित करने के लिए ज्ञान, ध्यान और विज्ञान जरूरी है, जबकि इन सबको संतुलित रखने के लिए आत्मबल आवश्यक है, जो केवल आध्यात्मिक चेतना से प्राप्त होता है। उन्होंने समाज को कुरीतियों एवं दुर्व्यसनों से दूर रखने हेतु आध्यात्मिक जागरूकता को अनिवार्य बताया। इस अवसर पर धाम के पीठाधीश्वर राजेश जी महाराज ने अपने प्रवचन में कहा कि 'आस्था का धन सदैव सर्वकल्याण में लगाना चाहिए और अपने व्यक्तिगत जीवन में खर्च के लिए मेहनत की कमाई का ही उपयोग करना चाहिए।' उन्होंने लालसा, तृष्णा और धन के अंधाधुंध मोह को परिवार एवं समाज में विघटन का मुख्य कारण बताते हुए इससे दूर रहने का आह्वान किया। उन्होंने आगे कहा कि आज का समय संस्कारविहीनता की ओर बढ़ रहा है, जो समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय है। युवाओं को केवल डिग्री आधारित शिक्षा नहीं, बल्कि संस्कार, विचार और नैतिक मूल्यों से भी सशक्त बनाना आवश्यक है। उन्होंने श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि वे बच्चों को 'डिग्री की फैक्ट्री' का उत्पाद न बनाकर उन्हें सशक्त, संस्कारी और जिम्मेदार नागरिक बनाएं। पूरे आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बना रहा। कार्यक्रम ने न केवल धार्मिक आस्था को मजबूती दी, बल्कि सामाजिक चेतना और नैतिक मूल्यों के प्रति भी जागरूकता का संदेश दिया।

खेतड़ी में श्रम संहिताओं के विरोध में काला दिवस: श्रमिकों ने जताया आक्रोश

यूनियन कार्यालय में आमसभा आयोजित, श्रमिक अधिकारों पर हमले का आरोप – संहिताएं वापस लेने की मांग

भीम प्रज्ञा न्यूज़ खेतड़ी।

केंद्रीय श्रमिक संगठनों के आह्वान पर बुधवार को खेतड़ी नगर यूनियन कार्यालय में सायं 4:30 बजे श्रम संहिताओं के विरोध में काला दिवस मनाया गया। इस अवसर पर एक आमसभा का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रमिकों ने भाग लेकर अपने अधिकारों के समर्थन में आवाज बुलंद की। सभा की अध्यक्षता कॉमरेड सत्यनारायण गर्वा एवं कॉमरेड राम सिंह शेखावत के अध्यक्ष मंडल द्वारा की गई। सभा को संबोधित करते हुए यूनियन के महासचिव बिर्दुराम सैनी ने कहा कि देश के श्रमिकों ने अंग्रेजी शासन से लेकर अब तक विभिन्न सरकारों के माध्यम से 44 केंद्रीय एवं 150 से अधिक राज्य स्तरीय श्रम कानून अपने हित में बनवाए थे, लेकिन वर्तमान में इन कानूनों को समाप्त कर चार श्रम संहिताओं में समाहित कर दिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि इन संहिताओं को व्यापार को सुगम बनाने के नाम पर लागू किया गया है, जिससे पूंजीपतियों और बड़े उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाया जा रहा है, जबकि श्रमिकों के अधिकारों को कमजोर किया गया है। उन्होंने बताया कि 44 केंद्रीय कानूनों में से 15 को समाप्त कर दिया गया है तथा शेष 29 कानूनों को चार श्रम संहिताओं में बदलकर कोविड काल के दौरान संसद में पारित किया गया। साथ ही 21 नवंबर 2025 को इन्हें लागू करने का अधिसूचना जारी की गई थी, जिसके तहत 1 अप्रैल 2026 से इनके नियम लागू किए जाने थे। सभा में वक्ताओं ने कहा कि नई श्रम संहिताओं के तहत श्रमिकों का कानूनी संरक्षण सीमित कर दिया गया है। उद्योगों की परिभाषा और लागू होने की सीमा बढ़ाकर कई संस्थानों को कानून के दायरे से बाहर कर दिया गया है। स्थायी आदेश, छंटनी, अवकाश एवं संस्थान बंद करने की सीमा 100 से बढ़ाकर 300 कर दी गई है, जिससे श्रमिकों की नौकरी की सुरक्षा कमजोर हुई है। वक्ताओं ने यह भी कहा कि स्थायी रोजगार की व्यवस्था को समाप्त कर निश्चित अवधि रोजगार प्रणाली लागू की जा रही है तथा ठेका श्रमिकों के स्थायीकरण और समान कार्य के लिए समान वेतन के अधिकार को समाप्त किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त नियोक्ताओं के लिए जेल की सजा को समाप्त कर जुर्माने में बदल दिया गया है तथा श्रमिक विवादों की सुनवाई न्यायालयों के बजाय प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा किए जाने का प्रावधान किया गया है। सभा का संचालन कोलिहान शाखा के सचिव ओम प्रकाश चिरानी ने किया। इस दौरान यूनियन के सचिव बाबूलाल सैनी, तेजपाल गुज्जर, ओम प्रकाश लांबा, विनय त्यागी, महेंद्र सिंह, उम्मेद मीना एवं खुशी राम यादव सहित अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार रखे। महामंत्री ने हाल ही में केसीसी प्रबंधन एवं हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड केसीसी प्रबंधन के साथ हुई वार्ताओं की जानकारी देते हुए ठेका श्रमिकों के वेतन वृद्धि एवं सुविधाओं से जुड़े मुद्दों पर भी प्रकाश डाला। सभा के अंत में श्रमिकों ने काला दिवस के बैनरों के साथ श्रम संहिताओं को वापस लेने की मांग को लेकर जोरदार नारेबाजी की और अपने अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया।

मंडावर में हनुमान जनमोत्सव पर उमडा आस्था का सैलाब

शोभायात्रा से लेकर सुंदरकांड तक भक्ति में डूबा शहर

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । चैत्र पूर्णिमा के पावन अवसर पर गुरुवार को हनुमान जयंती का पर्व मंडावर शहर में श्रद्धा, उत्साह और जनसहभागिता के अभूतपूर्व संगम के रूप में नजर आया, जहां गढ़ रोड स्थित बगीची वाले हनुमान मंदिर परिसर में हर वर्ष की परंपरा को निभाते हुए इस बार भी हनुमान जन्मोत्सव महोत्सव धूमधाम और धार्मिक गरिमा के साथ मनाया गया। 'जहां भक्ति होती है, वहां शक्ति खुद ब खुद चली आती है' की कहावत उस समय चरितार्थ होती दिखी, जब सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी और पूरा वातावरण 'जय श्रीराम' व 'जय बजरंग बली' के जयघोष से गूंज उठा। आयोजन समिति से जुड़े हनुमान भक्त गुड्डु लखानी और पिंचू दुसाद ने बताया कि सुबह 8 बजे मंदिर से भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसने शहर के गढ़ रोड, गांधी चौक, कपड़ा मार्केट होते हुए पुराने बस स्टैंड तक पहुंचकर पुनः मंदिर में प्रवेश किया। शोभायात्रा में सजीव झांकियों के माध्यम से भगवान हनुमान, सीताराम की भव्य प्रस्तुति के साथ बाहर से आए कलाकारों द्वारा प्रस्तुत शिव तांडव ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। रास्ते भर करीब आधा दर्जन स्थानों पर सामाजिक संगठनों व नागरिकों द्वारा अल्पाहार, शीतल पेय और आइसक्रीम के साथ भव्य स्वागत किया गया तथा फूल वर्षा कर श्रद्धा का अनूठा उदाहरण पेश किया गया। हजारों की संख्या में महिला, पुरुष और बच्चे बैंड-बाजों पर बज रहे भजनों की धुन पर झूमते हुए शोभायात्रा का हिस्सा बने। 'भक्ति में जो रंग चढ़ा, वो हर रंग से गहरा होता है'—यह दृश्य पूरे शहर में साफ झलक रहा था। मंदिर परिसर को रंग-बिरंगी रोशनी, फूलों, झल्लरों और गुब्बारों से आकर्षक रूप से सजाया गया, जिससे पूरा वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर हो उठा। शोभायात्रा के उपरांत मंदिर में भगवान सीताराम और हनुमानजी की मनोहारी झांकियों के साथ छप्पन भोग का भव्य प्रसाद अर्पित किया गया तथा 108 दीपों की महाआरती ने पूरे आयोजन को दिव्यता के चरम पर पहुंचा दिया। दोपहर में संगीतमय भजन-कीर्तन के साथ विशाल भंडारे और पंगत प्रसादी का आयोजन हुआ, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य अर्जित किया। वहीं शाम को आयोजित भव्य संगीतमय सुंदरकांड पाठ में सैकड़ों भक्तों ने सामूहिक रूप से भाग लेकर वातावरण को पूरी तरह भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम के दौरान शहर के गोपाल लखानी, त्रिपुरारीलाल ठाकुरिया, अज्जू मारवाड़ी, गुड्डु लखानी, पिंचू खंडेलवाल, विनय प्रधान, दीपक कूलवाल, अंतेश झालानी, अजय झालानी, गौरव गोयल, दीपक झालानी, जगदीश गोयल, बनवारी गोयल, द्वारकाप्रसाद गोयल, ओमी चांदेरा वाले, संजय पकौड़ी, नरेन्द्र दुसाद, शशी दुसाद, शशि जयशिव, सुधा झालानी, विजय गोयल, चंचल गोयल, ललिता गोयल, शारदा प्रधान, मीना देवी सहित बड़ी संख्या में शहरवासी मौजूद रहे।

पूरे आयोजन ने यह संदेश दिया कि 'एकता और आस्था जब संग चलें, तो हर आयोजन उत्सव बन जाता है ', और मंडावर में मनाया गया यह हनुमान जन्मोत्सव उसी का जीवंत उदाहरण बनकर सामने आया।

गदा पूजन और संगीतमय सुन्दरकाण्ड का हुआ आयोजन

(हिंदू जनजागृति समिति के तत्वावधान में हुआ गदा पूजन)

भीम प्रज्ञा न्यूज.नवलगढ़।

पोद्दार कॉलेज के पास स्थित नंदलाल सैनी के आवास पर हनुमान जयंती के अवसर पर सुंदरकांड का पाठ हुआ। जिसमें हिंदू जन जागृति समिति के मुरली मनोहर चौबदार ने गदा पूजन के महत्व को बताते हुए कहा कि हमारी सनातन संस्कृति सदैव वसुधुव

कुटुंबकम् की रही है।किंतु आसुरी शक्तियों के नाश हेतु भगवान समय समय पर अवतरित होते है। सामाजिक कार्यकर्ता कमल किशोर पंवार ने बताया कि संपूर्ण देश में सनातन का जागरण हो रहा है ऐसे में रामराज्य के संकल्प को साकार करने हेतु भारत वर्ष में अनेक कार्यक्रम हो रहे है जिसमें गदा पूजन भी एक है, बालोपाशना और शक्ति के संचार हेतु आवश्यक है, क्योंकि हमारे सभी देवी देवता भी शस्त्र धारण किए हुए है आज हिंदू समाज को संगठित रहने की आवश्यकता है। इस मौके पर गदा पूजन के साथ ही रामराज्य की स्थापना हेतु सभी आगंतुक भक्तों से प्रतिज्ञा भी करवाई गई।

आईपीएल में आज होगा सीएसके और पंजाब में मुकाबला

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम शुक्रवार को आईपीएल के अपने इस सत्र के दूसरे मैच में पंजाब किंग्स के खिलाफ उतरेगी। सीएसके की टीम को इस सत्र में अपने पहले ही मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में उसका लक्ष्य इस मैच को जीतकर लय हासिल करना रहेगा। उसे इस मैच में घरेलू मैदान का भी लाभ मिलने की उम्मीद है। टीम के अनुभवी खिलाड़ी और पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के इस मैच में भी खेलने को लेकर संशय बना हुआ है हालांकि उन्होंने अभ्यास शुरु कर दिया है। सीएसके की पहले मैच में शुरुआत निराशाजनक रही थी। उसके बल्लेबाज रन नहीं बना पाये थे। ऐसे में कप्तान रुतुराज गायकवाड़ सहित सभी बल्लेबाजों को रन बनाने होंगे।

सीएसके का लक्ष्य पहले मैच में मिली हार से सबक लेते हुए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना रहेगा। इस मैच में बल्लेबाज संजू सैमसन भी बड़ी पारी खेलकर सीएसके प्रबंधन के सामने अपने को साबित करना चाहेंगे। सीएसके ने इस सत्र में ट्रेड डील के जरिये उन्हें राजस्थान रॉयल्स से खरीदा है पर वह अपने पहले मैच में प्रभावित नहीं कर पाये। इसलिए इस मैच में वह बड़ी पारी खेलकर हिसाब बराबर करना चाहेंगे। वहीं इस मैच में भी उभरते हुए बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस का खेलना संदिग्ध है। ब्रेविस मांसपेशियों के खिंचाव से उबर रहे हैं। पहले मैच में इंपैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे सरफराज खान को भी इस मैच में अवसर मिल सकता है। युवा कार्तिक शर्मा से इस मैच में भी टीम को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

वहीं पहले मैच में विफल रहे टीम के मुख्य गेंदबाज मैट हेनरी और नूर अहमद इस मैच में बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगे।

दूसरी ओर श्रेयस अय्यर की कप्तानी में उतरी पंजाब किंग्स ने पहले ही मैच में गुजरात टाइटंस को हराया था जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। गुजरात के खिलाफ कूपर कॉनॉली ने तीसरे नंबर बेहतरीन बल्लेबाजी की थी जिससे भी टीम को लाभ हुआ था। अब कॉनॉली इस

मैच में भी अधिक से अधिक रन बनाना चाहेंगे। पहले मैच में असफल रहे प्रभसिमरन सिंह, प्रियांश आर्य और शशांक सिंह जैसे बल्लेबाज भी इस मैच में बड़ी पारी खेलना चाहेंगे।

टीम की गेंदबाजी भी मजबूत है उसके पास स्पिनर युजवेंद्र चहल के अलावा तेज गेंदबाजों के तौर लॉकी फर्ग्यूसन, अर्शदीप सिंह और हरप्रीत बराड़ जैसे तेज गेंदबाज हैं।

दोनो ही टीमों के बीच अब तक आंकड़ों पर गौर करें तो अब तक इनके बीच 32 मैच हुए हैं जिसमें से 17 सीएसके जबकि 15 पंजाब ने जीते हैं। ऐसे में इस बार भी रोमांचक मुकाबले के आसार हैं।

टीम इस प्रकार है

पंजाब किंग्स: श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, हरनूर सिंह, मिचेल ओवेन, विष्णु विनोद, नेहल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को यानसन, मार्कस स्टोइनिस, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, लॉकी फर्ग्यूसन, हरप्रीत बराड़, विजयकुमार वैशाक, यश ठाकुर, कूपर कोनोली, बेन द्वारशुइस, मुशीर खान, प्रवीण दुबे, विशाल निशाद, सूर्यांश शेडगे, प्रभसिमरन सिंह, पाइला अविनाश, शशांक सिंह।

चेन्नई सुपर किंग्स : रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), डेवाल्ड ब्रेविस, एमएस धोनी, उर्विल पटेल, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रामकृष्ण घोष, श्रेयस गोपाल, जेमी ओवरटन, खलील अहमद, अंशुल कंबोज, गुरजापनीत सिंह, मुकेश चौधरी, नूर अहमद, अकील होसेन, प्रशांत वीर, मैथ्यू शॉर्ट, अमन खान, मैट हेनरी, राहुल चाहर, जकारी फॉल्क्स, स्पेंसर जॉनसन, कार्तिक शर्मा, सरफराज खान, आयुष म्हात्रे।

हार के बाद ऋषभ पर भड़के संजीव गोयनका, प्रशंसकों को याद आया के एल राहुल वाला मामला

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जाएंट्स की टीम को आईपीएल के 19 सत्र में पहले ही मैच में करारी हार का सामना करना पड़ा है। दिल्ली कैपिटल्स से मिली 6 विकेट की हार के बाद सुपर जाएंट्स के मालिक संजीव गोयनका कप्तान ऋषभ पंत पर भड़क गये। जिससे एक बार फिर 2024 आईपीएल की यादें ताजा हो गयीं जब गोयनका उस समय कप्तान रहे के एल राहुल पर भड़क गये थे। इस बार दिल्ली के खिलाफ हुए मुकाबले में लखनऊ की बल्लेबाज बेबस नजर आयी और पूरी टीम 141 रन ही बना पायी। टीम अपने 20 ओवर भी नहीं खेल पायी। सुपर जाएंट्स की इस हार के बाद का एक वीडियो सोशल मीडिया में आया है। इसमें टीम मालिक संजीव गोयनका ऋषभ और टीम के सहयोगी स्टार के साथ मैदान में बातें करते दिखे। वह क्या बात कर रहे हैं यह तो पता नहीं चहला है पर प्रशंसकों का मानना है कि वह अपनी भड़ास निकला रहे थे।

आईपीएल 2024 के दौरान भी गोयनका का इसी प्रकार राहुल के साथ बहस करने का एक वीडियो भी आया था। उस वीडियो में गोयनका सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 10 विकेट से मिली हार के बाद राहुल पर भड़कते हुए दिखे थे। राहुल ने हालांकि कभी इस मामले पर कोई बयान नहीं दिया पर उस सत्र के बाद उन्होंने टीम छोड़ दी थी। वहीं उसके बाद कप्तानी संभालने वाले ऋषभ के साथ भी इसी तरह का व्यवहार करने से संजीव गोयनका पर कई सवाल भी उठ रहे हैं।

वहीं एक प्रशंसक ने सोशल मीडिया में लिखा, 'पहले राहुल थे, अब ऋषभ हैं। जीतना और हारना खेल का हिस्सा है पर इस प्रकार सबके सामने किसी का अपमान करना सही नहीं है। साथ ही कहा कि अगर गोयनका को कोई चिंता है, तो वह ड्रेसिंग रूम में होनी चाहिए, राहुल और ऋषभ जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को मीडिया के सामने लेक्चर देना जुनून कम और बॉस जैसा ज्यादा लगता है जो यह दिखाने की कोशिश कर रहा है कि प्रभारी कौन है। उन खिलाड़ियों का सम्मान करें जो अपना सब कुछ देते हैं।'

वहीं एक प्रशंसक ने लिखा, 'हार के बाद गोयनका ऋषभ पंत और कोचिंग स्टाफ से बात कर रहे हैं। गोयनका को राहुल के साथ दिखाया गया व्यवहार पसंद नहीं आया था, आज का मैच हारने के बाद उन्होंने फिर से ऋषभ के साथ वैसा ही व्यवहार किया है। साथ ही लिखा कि ऐसे घमंडी मालिकों को लीग से बाहर कर दिया जाना चाहिये जिन्हें खिलाड़ियों से किस प्रकार बात करनी है ये भी पता नहीं है।'

गुजरात टाइटंस को काफी सुधार की जरुरत : चोपड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि गुजरात टाइटन्स को इस सत्र में अगर अच्छा प्रदर्शन करना है तो उसके कप्तान शुभमन गिल, जोस बटलर और साई सुदर्शन सहित शीर्ष क्रम को अधिक से अधिक रन बनाने होंगे। चोपड़ा के अनुसार गुजरात की कमजोरी ये है कि वह वह अपनी शीर्ष बल्लेबाजों पर ही निर्भर है और जब ये असफल होते हैं तो वह ढ़ह जाती है। चोपड़ा के अनुसार पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले में भी ये बात साबित हुई है। इस मैच में दिखा है कि टीम के कुछ खिलाड़ियों के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी भी है। चोपड़ा ने कहा, जीत के लिए टाइटन्स के लिए शीर्ष तीन बल्लेबाजों को अधिक से अधिक रन बनाकर टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाना होगा। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए भी इन्हें अधिक से अधिक ओवर खेलने होंगे। इसका कारण है कि टीम में मध्य और निचले क्रम ने अभी तक अपने को साबित नहीं किया है। उन्होंने कहा, ग्लेन फिलिप्स अब तक 25 रन से अधिक नहीं बना पाये हैं जबकि उनसे अच्छे स्कोर की उम्मीद की जाती है। इसके अलावा स्पिन ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर को भी आक्रामक बल्लेबाजी करनी होगी। चोपड़ा ने टीम के चयन और बल्लेबाजी क्रम पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, शाहरुख खान की जगह पर कुमार कुशाग्र को शामिल किया जाना चाहिये था। गुजरात को अपने चौथे, पांचवें और छठे नंबर के बल्लेबाजों में बदलाव करना होगा। चोपड़ा ने कहा कि शुभमन गिल को भी अच्छी रणनीति बनानी होगी। उन्होंने कहा, उनकी रणनीति अब तक विफल रही है। पंजाब के खिलाफ उन्होंने गेंदबाजों को सही से उपयोग नहीं किया। प्रसिद्ध कृष्णा को काफी देर से गेंदबाजी दी गयी।

चहल ने कॉनली की जमकर प्रशंसा की, आईपीएल की खोज साबित होंगे

मुम्बई (एजेंसी)। अनुभवी स्पिनर युजवेंद्र चहल ने अपनी टीम पंजाब किंग्स की ओर से खेल रहे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज कूपर कॉनली की जमकर प्रशंसा की है। कॉनली ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ पहले ही मैच में तेजी से अर्धशतक लगाकर सबका ध्यान खींचा है। चहल ने कहा कि युवा बल्लेबाज कॉनली इस सत्र की खोज साबित होंगे। कॉनली ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में नाबाद 72 रन बनाकर पंजाब किंग्स की जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

कॉनली तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे और अंत तक नाबाद रहे। उन्होंने अपनी अर्धशतकीय पारी में 5 चौके और 5 छक्के लगाये। चहल ने इस युवा की तारीफ करते हुए कहा, 'वह अभी केवल 22 साल का है पर उसमें जीत का जुनून है। इच्छा है। नंबर तीन पर बल्लेबाजी करते हुए अपने पहले ही मैच में जिस प्रकार से मैच विजेता पारी खेली उसकी जितनी सराहना की जाये कम है। उसके खेलने के तरीके से अंदाज होता है कि वह मानसिक रूप से मजबूत है।' गुजरात के खिलाफ तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए कॉनली एक छोड़ पर टिके रहे और लगातार रन बनाने रहे। चहल ने कहा, 'वह हालात के अनुसार बल्लेबाज करना जानता है। उसे पता था कि उसे ही अंत तक पारी को ले जाना होगा। इससे उसकी परिपक्वता का अंदाजा होता

है। यह हमारी टीम के लिए एक अच्छा संकेत है।' उन्होंने कहा, 'वह जिस तरह से बल्लेबाजी कर रहा है मुझे लगता है कि वह इस सत्र की सबसे बड़ी खोज में से एक होगा।' पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे चहल ने इस मैच में अच्छी गेंदबाजी करते हुए 28 रन देकर दो विकेट लिए। उन्होंने बीच के ओवरों में गुजरात पर दबाव बनाए रखा और रन नहीं बनाने दिये। चहल ने गेंदबाजी में अपनी रणनीति के बारे में कहा, 'विकेट थोड़ा धीमा था, इसलिए हम अधिक गति से गेंद नहीं फेंकना चाहते थे। हमारी रणनीति यह थी कि अगर बल्लेबाज लंबे शॉट लगाते हैं, तो यह हमारे लिए अच्छा रहेगा।' कॉनली के अलावा पंजाब किंग्स के अन्य प्रमुख बल्लेबाज मुकाबले में विफल रहे। चहल ने कहा कि जो बल्लेबाज पहले मैच में विफल रहे है अगले मैच में लय हासिल कर लेंगे। आमतौर पर ऐसा होता रहता है। इस लिए इसमें चिंता की कोई बात नहीं है।

जंपा ने आईपीएल नहीं खेलने का कारण बतायो

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर एडम जंपा ने आईपीएल 2026 में शामिल नहीं होने के कारणों का खुलासा किया है। जंपा ने कहा है कि उनके जैसे कौशल वाले गेंदबाज को अधिक अवसर और पैसे मिलने की संभावना नहीं थी। इसलिए वह नीलामी से ही दूर रहे। जंपा ने आईपीएल के पिछले सत्र में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेला था। वहीं सत्र के बाद टीम ने उन्हें रिलीज कर दिया था। जाम्पा अभी पाक सुपर लीग में कराची किंग्स की ओर से खेल रहे हैं। जाम्पा ने कहा, मेरे जैसे कैशल वाले खिलाड़ी को आईपीएल में अधिक पैसे नहीं मिलते हैं। उन्होंने साथ ही कहा, आईपीएल में में बहुत समय देना पड़ता है, ऐसे में ये लग मुझे अपनी लिए सही नहीं लगी। जंपा ने आईपीएल में साल 20216 में पदार्पण किया था। उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु , राजस्थान रॉयल्स और राइजिंग पुणे सुपरजायंटस जैसी टीमों के लिए खेला है। उन्होंने आईपीएल में कुल 22 मैच में 31 विकेट लिए और उनका इकॉनमी रेट 8.37 रहा।

वैभव को अभी शामिल करने की जल्दी न करें : अश्विन

चेन्नई। उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने जिस प्रकार आईपीएल के अपने पहले ही मैच में आक्रामक पारी खेली है। उसके बाद से ही कई दिग्गजों ने उसे राष्ट्रीय टीम में शामिल करने की मांग की है। वैभव ने पहले ही मैच में 15 गेंदों में अर्धशतक लगा दिया था। वहीं पिछले सत्र में वैभव ने 35 गेंद में शतक लगाकर अपनी पहचान बनायी थी। उसके बाद से ही वह नये नये रिकार्ड बनाते जा रहे है। इसके बाद भी अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का मानना है कि वैभव अभी बच्चा

है और उसे इतनी जल्दी राष्ट्रीय टीम में लाने की कोई जरुरत नहीं है, इससे उसपर बेवजह दबाव ही पड़ेगा। अश्विन ने कहा कि वैभव को शामिल करने में जल्दबाजी की जरुरत नहीं है हालांकिवैभव को शामिल करने की मांग देश ही नहीं विदेश के दिग्गज पूर्व क्रिकेटरों की तरफ से भी आई है। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन के अनुसार वैभव अब अगले चरण के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने कहा कि अगर उनके हाथ में होता तो वह सूर्यवंशी को इस साल इंग्लैंड का दौरा करने जाने वाली भारतीय टीम में जरूर रखते। भले ही उन्हें हर मैच नहीं खिलाते लेकिन टूर पर जरूर ले जाते। कुछ मैच खिलाते। इसी तरह महान लेग स्पिनर अनिल कुंबले और पूर्व सलामी बल्लेबाज नवजोत सिंह सिद्धू भी इस पक्ष में हैं कि अगर वैभव सूर्यवंशी इसी तरह का प्रदर्शन जारी रखते हैं तो उन्हें भारतीय टीम में लिया जाना चाहिये। वहीं अश्विन ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने से वैभव पर दबाव बनेगा, जिसकी अभी जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा, 'उसे इस तरह का बोझ मत दीजिए। वह अभी बड़ा नहीं हुआ है। वह अभी बच्चा है। अगर एमएस धोनी 45 की उम्र तक खेल रहे हैं तो सूर्यवंशी अगर 40 तक भी खेले तो उसके पास अभी ढाई दशक का क्रिकेट बचा हुआ है। उसे अकेला छोड़ दीजिए, वह सही समय पर अपने-आप आ जाएगा।' अश्विन ने कहा कि वैभव काफी अच्छा है और वह भारत की ओर से खेलने पर अभी उसमें समय है। इसलिए सभी को इंतजार करना चाहिये।

पाकिस्तान भारोत्तोलन महासंघ के प्रमुख और कोच पर लगा आजीवन प्रतिबंध

लुसाने (एजेंसी)। खेल पंचाट के डोपिंग रोधी विभाग (कैस एडीडी) ने पाकिस्तान भारोत्तोलन महासंघ के निलंबित प्रमुख हाफिज इमरान बट और कोच इरफान बट पर आजीवन प्रतिबंध लगा दिया है। इन पर 2014 से 2016 के बीच देश के खिलाड़ियों को प्रतिबंधित पदार्थ देने में संलिप्त होने का आरोप है जिसमें नाबालिग भी शामिल हैं।

पाकिस्तानी भारोत्तोलक अबुबाकर गनी पर भी चार साल का प्रतिबंध लगाया गया है। उन्होंने डोप परीक्षण में विफल होने के बाद सफाई देने के लिए नकली चिकित्सा पर्चे जमा किए थे। ताशकंद में 2021 की विश्व चैंपियनशिप के दौरान गनी का परीक्षण प्रतिबंधित हार्मोन और मेटाबॉलिक मॉड्यूलेटर 'टैमोक्सीफेन मेटाबोलाइट' के लिए पॉजिटिव आया था।

हाफिज और इरफान को दोषी ठहराते हुए अपने फैसले कैस् ष्ठष्ठ ने कहा, 'ये दोनों लोग पाकिस्तानी खिलाड़ियों को प्रतिबंधित पदार्थ (स्टेरॉयड सहित) देने में सीधे तौर पर

संलिप्त थे जिनमें नाबालिग भी शामिल हैं और उन्होंने पाकिस्तान में बड़े पैमाने पर हुई डोपिंग में मुख्य भूमिका निभाई थी। उनके आचरण की प्रकृति और गंभीरता को देखते हुए दोनों पर सबसे लंबी अवधि का प्रतिबंध लगाया गया है जो कि आजीवन प्रतिबंध है। इस प्रतिबंध के लागू होने के बाद हाफिज इमरान बट और और इरफान बट दोनों को विश्व डोपिंग रोधी संहिता के किसी भी हस्ताक्षरकर्ता द्वारा अधिकृत या आयोजित किसी भी गतिविधि में किसी भी हैसियत से भाग लेने से रोक दिया जाएगा।'

हाफिज और इरफान दोनों को पिछले साल नवंबर में पाकिस्तान खेल बोर्ड ने डोपिंग रोधी नियमों के उल्लंघन के कारण निलंबित कर दिया था। वर्ष 2021 में उल्लंघन के लिए पूर्व में दो साल का प्रतिबंध झेलने वाले गनी के मामले में यह बात सामने आई कि उन्होंने दस्तावेजों में हेराफेरी की थी जिसके परिणामस्वरूप उन पर डोपिंग नियंत्रण प्रक्रिया में छेड़छाड़ का अतिरिक्त आरोप लगा।

गनी पर लगा चार साल का प्रतिबंध छह मार्च 2026 से पांच मार्च 2030 तक प्रभावी रहेगा। कैस एडीडी ने यह भी फैसला दिया है कि पाकिस्तान भारोत्तोलन महासंघ पर अतिरिक्त कार्रवाई की जाएगी क्योंकि तीन से अधिक खिलाड़ी और खिलाड़ी सहयोगी स्टाफ के सदस्य डोपिंग रोधी नियमों के उल्लंघन में शामिल पाए गए हैं। पाकिस्तान भारोत्तोलन महासंघ पर अभी उसके अधिकारियों, कोच और खिलाड़ियों द्वारा किए गए पिछले उल्लंघनों के कारण एक साल का निलंबन चल रहा है।

दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर राशी वांडर डुसैन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा

जोहांसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के अनुभवी बल्लेबाज राशी वांडर डुसैन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। डुसैन ने सोशल मीडिया के जरिए अपने संन्यास की घोषणा की है पर कहा कि वह घरेलू क्रिकेट खेलते रहेंगे। 35 वर्षीय इस क्रिकेटर ने कहा कि अपने करियर को लेकर वह संतुष्ट हैं। इसके साथ ही उन्होंने प्रशंसकों सहित क्रिकेट बोर्ड और प्रबंधन के सहयोग के प्रति आभार जताया है। साथ ही कहा कि दक्षिण अफ्रीकी जर्सी पहनना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है। अपने बयान में डुसैन ने कहा, मैं गर्व और कृतज्ञता के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा करता हूं। अपने देश के लिए खेलना मेरे लिए जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है। इस सफर में हालांकि मुझे काफी त्याग करना पड़ा पर इसका हर पल बेहद अहम रहा है। उन्होंने क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका के साथ ही कोचिंग स्टाफ और प्रशंसकों के प्रति आभार जताया। इस क्रिकेटर का एकदिवीसय करियर शानदार रहा है। उसने 71 मैचों में 2657 रन बनाए, उसका औसत 50 से अधिक रहा है। वह दक्षिण अफ्रीका के लिए सीमित ओवरों में ए बी डीविलियर्स के बाद सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों में शामिल रहे हैं। इस बल्लेबाज ने अपने करियर में 6 शतक और 17 अर्धशतक भी लगाए हैं। डुसैन ने 29 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 मैच से अपने करियर की शुरुआत की और अपने अच्छे प्रदर्शन से टीम में जगह बनायी। टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने 18 मैच खेले हैं। इस क्रिकेटर ने हर समय साथ निभाने के लिए परिवार और पत्नी लारा को याद किया। साथ ही कहा कि वह संन्यास के बाद भी खेल से जुड़े रहते हुए युवा खिलाड़ियों को मेंटर के तौर पर अपनी सेवाएं देंगे।

पीसीबी ने नसीम का करियर बचा लिया : कामरान अकमला

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज कामरान अकमल ने कहा है कि विवादों में फंसे तेज गेंदबाज नसीम शाह पाक बोर्ड (पीसीबी) के कारण ही बचे हुए हैं। अगर पीसीबी उनकी सहायता नहीं करती तो उनका करियर खतरे में पड़ जाता। नसीम हाल ही में अपनी एक सोशल मीडिया पोस्ट के कारण परेशानी में पड़ गये थे। इसके कारण उन पर भारी भरकम जुर्माना भी लगाया गया था। इस पोस्ट में नसीम ने लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज को मिले विशेष सम्मान पर सवाल उठाये थे हालांकि बाद में उन्होंने पोस्ट हटाकर माफी मांग ली थी पर पीसीबी ने इससे केन्द्रीय अनुबंध शर्तों का उल्लंघन माना था। इसी को लेकर अकमल ने कहा, बोर्ड ने उसका करियर बचा लिया, अगर उस पर प्रतिबंध लगा दिया जाता तो उसका करियर ही समाप्त हो जाता अकमल ने कहा कि जुर्माना बड़ा जरूर है पर वह प्रतिबंध से बच गये। इस पूर्व क्रिकेटर ने नसीम की गेंदबाजी पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, वह पहले 145-150 की स्पीड से गेंदबाजी करते थे, अब 135-137 पर आ गए हैं। उनकी तेजी कहां गई? हाल ही में पीएसएल के एक मैच में नसीम ने 51 रन दिए और एक भी विकेट नहीं लिया, जिससे उनकी फॉर्म और फिटनेस पर भी सवाल उठ रहे हैं। अकमल ने नसीम शाह को साफ सलाह दी कि उन्हें राजनीति से दूर रहना चाहिए। उन्होंने कहा, इन चीजों को छोड़ो, क्रिकेट पर ध्यान दो। जब आप किसी सिस्टम का हिस्सा होते हैं तो तटस्थ रहना पड़ता है।

फीफा विश्वकप के लिए तय हुई सभी 48 टीम

मेक्सिको। इसी साल जून में अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में संयुक्त रुप से होने वाले फीफा विश्वकप फुटबॉल के लिए सभी 48 टीमें तय हो गयी हैं। मेक्सिको के मॉन्टेरी में खेले गए इंटरकॉन्टिनेंटल प्लेऑफ के साथ ही टीमों की घोषणा हो गयी है। करीब ढाई साल तक चली क्वालीफाइंग प्रक्रिया के बाद जहां इराक और बोस्निया ने विश्वकप के लिए जगह बनायी। वहीं चार बार की विजेता रही इटली प्रवेश हासिल नहीं कर पायी। केप वर्डे, कुराकाओ, जॉर्डन और उज्बेकिस्तान की टीम पहली बार विश्व कप में खेलेगी। इंटरकॉन्टिनेंटल प्लेऑफ में बोलीविया को 2-1 से हराकर इराक की टीम प्रवेश हासिल करने वाली 48 वहीं टीम बनी। वहीं पूर्व चैम्पियन इटली को बोस्निया और हर्जगोविना ने पेनल्टी शूटआउट में हराकर बाहर कर दिया।

यूरोपीय प्लेऑफ के जरिए स्वीडन ने पोलैंड को 3-2 से जबकि तुर्की ने कोसोवो को 1-0 से पराजित किया। चेक गणराज्य ने डेनमार्क को पेनल्टी शूटआउट में हराया। विश्वकप के लिए शामिल 48 टीमों को 4-4 के 12 ग्रुपों में बांटा गया है। हर ग्रुप की शीर्ष दो टीमों के साथ ही तीसरे स्थान पर रहने वाली आठ सर्वश्रेष्ठ टीमें राउंड ऑफ 32 में पहुंचेंगी। अभी तक ग्रुप राउंड के बाद सीधे राउंड ऑफ 16 होता था। अब विजेता बनने वाली टीम को पिछले विश्व कप के मुकाबले एक ज्यादा 8 मैच खेलना होगा। कुल 104 मैच इस विश्व कप में खेले जाएंगे।

एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भारत का जलवा, आदित्य की 5-0 से धमाकेदार जीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। मंगोलिया के उलानबटार में चल रही एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2026 में भारत के स्टार बॉक्सर आदित्य ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों के 65 किलोग्राम वर्ग में सऊदी अरब के मौसा अलहवसाव को 5-0 से हराकर अगले दौर में जगह बना ली है। मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन आदित्य ने पूरे मुकाबले में अपनी तकनीक और नियंत्रण का बेहतरीन प्रदर्शन किया और एकतरफा अंदाज में जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ही अब उनका अगला मुकाबला उजबेकिस्तान के अब्दुल्लोह मादामिनोव से होगा, जिसे काफी कड़ा मुकाबला माना जा रहा है।

आदित्य ने इस मुकाबले में शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और अपने प्रतिद्वंद्वी को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। उन्होंने अपने पंचों की सटीकता और रिंग में मूवमेंट के दम पर मुकाबले को पूरी तरह नियंत्रित रखा। इससे पहले भी वह जनवरी में आयोजित 9वीं एलीट मेंस नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीत चुके हैं और उसी लय को यहां भी बरकरार रखा है।

इस चैंपियनशिप में भारत ने पहले दिन से ही शानदार शुरुआत की थी। महिला 54 किलोग्राम वर्ग में प्रीति पवार ने कजाकिस्तान की एलिना बाजारोवा को 5-0 से हराया। वहीं पुरुष 70 किलोग्राम वर्ग में दीपक ने उजबेकिस्तान के खवासबेक असदुल्लाएव को कड़े मुकाबले में 3-2 से मात दी और अपनी क्षमता का परिचय दिया।

दूसरे दिन भी भारतीय मुक्केबाजों का दबदबा जारी रहा। महिला 60 किलोग्राम वर्ग में प्रिया ने कजाकिस्तान की रिम्मा वोलोसेंको को 5-0 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। वहीं पुरुष 55 किलोग्राम वर्ग में जादुमणि सिंह ने जापान के रुई यामागुची के खिलाफ कड़ा मुकाबला खेला, लेकिन वह 2-3 के करीबी फैसले में हार गए।

तीसरे दिन भी भारत का प्रदर्शन शानदार रहा, जहां विश्वनाथ सुरेश और सचिन ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर अगले दौर में जगह बनाई। विश्वनाथ ने पुरुष 50 किलोग्राम वर्ग में किर्गिस्तान के बेकजात एरगेशोव को 5-0 से हराया, जबकि सचिन ने 60 किलोग्राम वर्ग में मंगोलिया के बायंदालाई बायारखू को 4-1 से हराकर अपनी जगह पक्की की।

एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2026 में एशिया भर के शीर्ष मुक्केबाज हिस्सा ले रहे हैं और हर मुकाबला पदक की दौड़ के लिहाज से बेहद अहम है। भारतीय खिलाड़ियों का अब तक का प्रदर्शन काफी प्रभावशाली रहा है और आगे भी उनसे पदक की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

सिद्धांत चतुर्वेदी ने सोशल मीडिया पर बढ़ते दबाव पर की बात

सिद्धांत चतुर्वेदी ने अपने छोटे से करियर में अलग-अलग तरह के किरदार निभाए हैं। यही कारण है कि उनकी गिनती इंडस्ट्री के उभरते हुए सितारों में होती है। असल जिंदगी में काफी ग्राउंडेड नजर आने वाले सिद्धांत चतुर्वेदी ने अब सोशल मीडिया पर फैशन के बढ़ते दबाव के बारे में खुलकर बात की है। साथ ही उन्होंने अपने लक्ष्य को लेकर भी बताया।

मेरी फिल्मों में ही होती है फैशन

बातचीत में सिद्धांत चतुर्वेदी स्पष्ट तौर पर कहा कि मेरी पहली पहचान एक अभिनेता के रूप में है, न कि फैशन आइकन के रूप में। एक्टर ने कहा कि मैं एक अभिनेता बनने आया हूं, मुझे वह अवसर मिला और आज मैं एक अभिनेता हूं। यही मेरे लिए सबसे बड़ी बात है। फैशन की बात करें तो, यह सब मेरी फिल्मों में ही है, मतलब वे हमें अच्छे कपड़े पहनाते हैं। मेरा मानना है कि सबका अपना-अपना फैशन होता है। मुझे साधारण रहना ज्यादा पसंद है। फैशन को किसी पर थोपना नहीं चाहिए।

बेफिक्र इंसान होता है सबसे ज्यादा फैशनेबल

फैशन को लेकर अपना दृष्टिकोण साझा करते हुए सिद्धांत ने कहा कि मुझे लगता है कि सबसे फैशनेबल व्यक्ति वह है, जो ज्यादा नहीं सोचता, थोड़ा बेफिक्र और बिंदास होता है। आखिरकार किसी के व्यक्तित्व को देखकर उसका स्वैग अपने आप झलक जाता है। अगर आप ज्यादा सोचते हैं, तो आप दूसरों जैसा बनने की कोशिश कर रहे होते हैं, मुझे ऐसा लगता है।

इस बायोपिक में नजर आएंगे सिद्धांत

सिद्धांत चतुर्वेदी के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेता आखिरी बार इसी साल रिलीज हुई फिल्म 'दो दीवाने सहर में' में नजर आए थे। इस फिल्म में उनके साथ मृणाल ठाकुर प्रमुख भूमिका में थीं। फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स की मिली-जुली प्रतिक्रिया ही हासिल हुई थी। हालांकि, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई कमाल नहीं दिखा पाई थी। उनकी आगामी फिल्मों में 'वी. शांताराम' शामिल है। यह दिग्गज फिल्ममेकर वी. शांताराम की बायोपिक है। इसमें उनके साथ तमन्ना भाटिया प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी।

आरती छाबड़िया ने बॉलीवुड की राजनीति पर किए खुलासे

अभिनेत्री आरती छाबड़िया काफी समय से लाइमलाइट से दूर हैं। उनकी आखिरी प्रमुख भूमिका 2010 में आई फिल्म 'मिलेंगे मिलेंगे' में थी। अब वह बॉलीवुड में वापसी करने की तैयारी में हैं। हालांकि, आरती का ऐसा कहना है कि वो अपने करियर में कई बार बॉलीवुड में होने वाली राजनीति का शिकार हुई हैं। जिसके चलते कभी उनका रोल कट गया, तो कभी उनका पूरा गाना ही फिल्म से हटा दिया गया।

इंडस्ट्री में होती है काफी पॉलिटिक्स

अल्फाटॉक के साथ एक हालिया पॉडकास्ट में आरती छाबड़िया ने इंडस्ट्री की पॉलिटिक्स के कारण अपने पेशेवर जीवन में आई बाधाओं के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि 'पार्टनर', 'शूटआउट एट लोखंडवाला', 'मिलेंगे मिलेंगे' और अन्य फिल्मों में उनके कई सीन काट दिए गए थे। इंडस्ट्री की पॉलिटिक्स को लेकर एक्ट्रेस ने कहा कि कई बार मेरे रोल काट दिए गए या कम कर दिए गए। टाइटल रोल निभाने के बावजूद, ऐसा लगता था जैसे मैं फिल्म में दिख ही नहीं रही। कई फिल्में ऐसी थीं, जिनमें मेरे सीन काट दिए गए और गाने शूट होने के बाद हटा दिए गए।

'मिलेंगे मिलेंगे' में शाहिद कपूर के साथ मेरा पूरा गाना था, लेकिन उसे काट दिया गया। बोनी उस फिल्म के प्रोड्यूसर थे और सतीश कौशिक ने डायरेक्ट किया था। आपको पता नहीं होता कि ये फैसले क्यों लिए जाते हैं। हम कलाकार हमेशा प्रोड्यूसर के फैसले का सम्मान करते हैं और हमें कोई पछतावा नहीं है।

कई फिल्मों में काटे गए मेरे रोल्स

अभिनेत्री ने आगे कहा कि सिर्फ एक ही फिल्म में नहीं, बल्कि कई फिल्मों में मेरे साथ ऐसा ही हुआ है। ऐसी कई फिल्में थीं, जिनमें अलग-अलग कारणों से मेरे रोल काट दिए गए थे। जैसे कि सलमान खान और गोविंदा की 'पार्टनर' में मेरी भूमिका वैसी नहीं थी जैसी तय की गई थी। यह एक कैमियो रोल था, लेकिन फाइनल कट में शामिल किए गए रोल से बड़ा था। अच्छी बात यह है कि फिल्म हिट रही। मुझे कोई अफसोस नहीं है। 'शूटआउट एट लोखंडवाला' और 'आवारा पागल दीवाना' में भी ऐसा ही हुआ। मायने सिर्फ इतना रखता है कि फिल्म ने आखिर में अच्छा प्रदर्शन किया।

मनोज बाजपेयी ने पर्सनैलिटी राइट्स जैसे मुद्दों पर अपनी राय दी

दिल्ली में इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2026 का आयोजन हुआ है। इसमें बॉलीवुड के कई सेलेब्स शामिल होने पहुंचे। इस बीच मनोज बाजपेयी भी कार्यक्रम का हिस्सा बने, जहां उन्होंने पर्सनैलिटी राइट्स जैसे मुद्दों पर अपनी राय दी। मीडिया से बातचीत के दौरान मनोज बाजपेयी ने साफ कहा कि अगर कोई उनके काम या उनसे जुड़ी किसी भी चीज का इस्तेमाल करता है, तो उसके लिए उन्हें पैसे मिलने चाहिए। उनका कहना था कि एक कलाकार अपनी पहचान और भरोसा वर्षों की मेहनत से बनाता है, इसलिए उसका इस्तेमाल बिना अनुमति या बिना भुगतान के नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'अगर हमारी चीज कोई यूज करेगा, तो उसके पैसे हमें मिलने चाहिए। मैं 32 साल से काम कर रहा हूं, और इस दौरान जो पहचान बनाई है, उसका अगर कोई इस्तेमाल करता है, तो उसे उसके अधिकार के हिसाब से भुगतान करना पड़ेगा।' इस दौरान मनोज बाजपेयी ने ये भी बताया कि वो फेस्टिवल में एक खास 'इन-कन्वर्सेशन' सेशन का हिस्सा बनने वाले हैं, जहां वो अपने लंबे फिल्मी सफर के बारे में बात करेंगे।

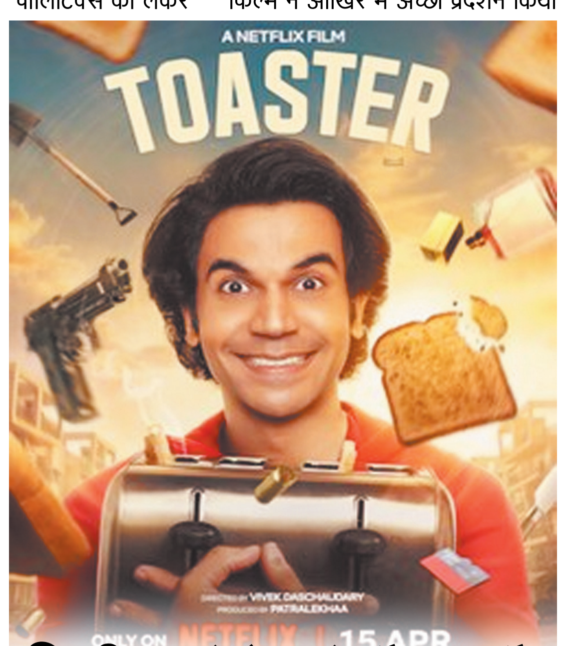

रिलीज होने को तैयार है राजकुमार राव-सान्या की फिल्म 'टोस्टर'

अपनी दमदार एक्टिंग से लोगों का दिल जीतने वाले राजकुमार राव अब एक नई फिल्म लेकर आ रहे हैं, जिसका नाम है 'टोस्टर' और इसकी रिलीज डेट का भी ऐलान कर दिया गया है। राजकुमार राव की यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज की जाएगी और इसके अनाउंसमेंट के लिए राजकुमार राव ने एक दिलचस्प तरीका अपनाया। मालूम हो कि 'टोस्टर' को राजकुमार की पत्नी और एक्ट्रेस पत्रलेखा ने प्रोड्यूस किया है। 'टोस्टर' का ऐलान साल 2025 में किया गया था, और अब यह फाइनली रिलीज होने को तैयार है। 'टोस्टर' 15 अप्रैल को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। इसमें राजकुमार राव के अलावा सान्या मल्होत्रा, फराह खान, अर्चना पूरन सिंह, अभिषेक बनर्जी और सीमा पहवा जैसे एक्टर्स हैं। यह एक कॉमेडी फिल्म है, जिसे विवेक दास चौधरी ने डायरेक्ट किया है।

'धुरंधर' और 'रामायण' के बाद क्या एसएस राजामौली की 'वाराणसी' दो भागों में होगी रिलीज?

'धुरंधर' और 'धुरंधर 2' की सफलता के बाद अब फैंस फिल्म 'रामायण' की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म के अलावा एक और फिल्म है, जिसकी रिलीज पर फैंस की निगाहें टिकी हुई हैं। वह फिल्म राजामौली की 'वाराणसी' है। जानिए क्या 'धुरंधर' और 'रामायण' की तरह ही 'वाराणसी' भी दो भागों में बनेगी?

क्या दो भागों में रिलीज होगी 'वाराणसी'?

पहले राजामौली ने 'वाराणसी' को दो भागों में बनाने की खबरों को साफ तौर पर खारिज कर दिया था। लेकिन अब बॉलीवुड हंगामा की एक खबर के अनुसार, फिल्म 'वाराणसी' दो भागों में रिलीज हो सकती है। दरअसल, फिल्म की कहानी इतनी लंबी है कि तीन घंटे से ज्यादा समय में भी पूरी नहीं हो पाएगी। इसलिए इसे दो भागों में बनाने का विचार किया जा रहा है। 'धुरंधर' की तरह 'वाराणसी' भी दो भागों में रिलीज होगी। फिल्म 'वाराणसी' में महेश बाबू, प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म समय यात्रा पर आधारित है। इसका बजट 1300 करोड़ रुपये से भी ज्यादा बताया जा रहा है। यह भारत की सबसे महंगी फिल्मों में से एक होगी। यह फिल्म 7 अप्रैल 2027 को सिनेमाघरों में रिलज होगी।

'धुरंधर'- 'रामायण' और अब 'वाराणसी'

'धुरंधर 2' अब तक बॉक्स ऑफिस पर 1000 करोड़ रुपये से ज्यादा कमा चुकी है। वहीं राजामौली की आगामी 'रामायण' फिल्म का पहला भाग दिवाली 2026 में और दूसरा भाग दिवाली 2027 में रिलीज होने वाला है। वहीं अब 'वाराणसी' आखिरकार दो भागों में रिलीज होगी या नहीं, इसकी कोई आधिकारिक रूप से पुष्टि नहीं की गई है।

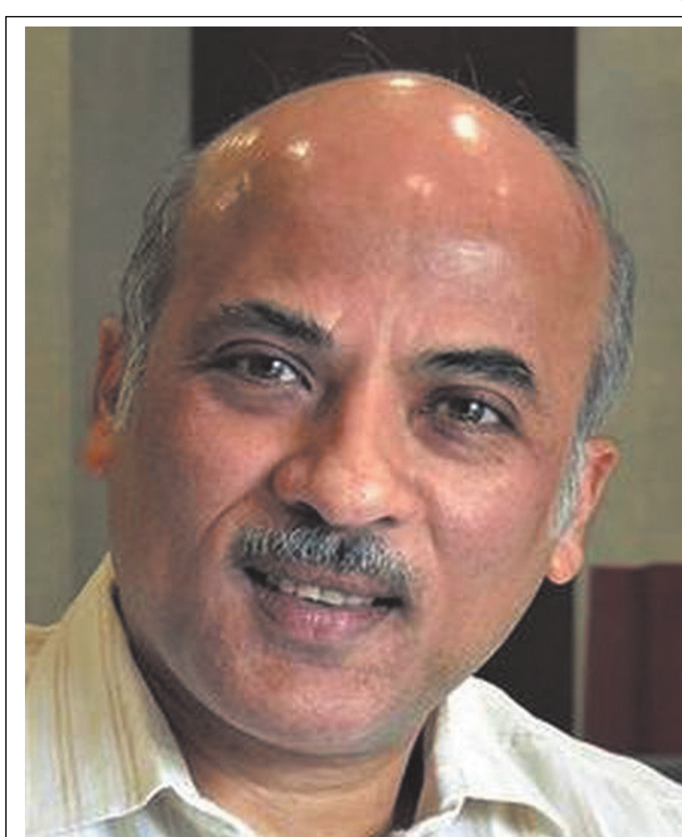

एक्शन फिल्मों के इस दौर में फैमिली फिल्मों को जिंदा रखना चुनौती है

अपने सिनेमा के जरिए संस्कार और परिवार का महत्व बताने वाले फिल्मकार सूरज बड़जात्या हाल ही में अपने नए शो संगमरमर के सिलसिले में हमसे रूबरू हुए। यहां उन्होंने पारिवारिक कहानियां बनाने की अपनी लिगेसी, पुष्पा-धुरंधर जैसी ऐक्शन फिल्मों के इस दौर में फैमिली फिल्मों को जिंदा रखने की चुनौती और अपने चहेते दोस्त सलमान खान को लेकर भी बात की।

आप आज भी परिवार और संस्कार की बातें करने वाले शोज/फिल्में बना रहे हैं। मगर आपको ये भी कहा जाता होगा कि अब तो पुष्पा और धुरंधर जैसी ऐक्शन फिल्मों का दौर है, इन कहानियों से लोग कैसे रिलेट करेंगे?

मैं इस बात को सच नहीं मानता क्योंकि एक पुष्पा चल गई पर पुष्पा जैसी कई ऐक्शन फिल्में नहीं भी चली हैं। वो किसी को याद नहीं रहता। मेरा मानना है कि अगर अच्छी चीज को अच्छी तरह से पेश किया जाए तो हर जॉनर चलेगा। आज जो फायर स्टिक है, वो हर किसी के पास है। बेटे के पास भी है, मां के पास भी है, दादी के पास भी है। वो कहां देखेंगी अपनी पसंद की चीजें तो हर चीज के लिए ऑडियंस है।

आपके शो संगमरमर की कहानी आपकी ही फिल्म एक विवाह ऐसा भी से मिलती-जुलती है, जहां हीरो शादी के बगैर भी हीरोइन की पारिवारिक जिम्मेदारियों में साथ देता है। दोबारा ये कहानी कहना क्यों जरूरी लगा?

ये एक विवाह ऐसा भी से अलग है। ये आज के दौर में है। इनका सफर अलग है। बाकी कहानियां तो वही सात-आठ होती हैं। वही रिश्ते होते हैं, बस कहने का अंदाज अलग होता है और वक्त के हिसाब से माहौल बदल जाता है। इसमें आज का युग है। आज की परिस्थिति है। जैसे, एक उदाहरण देता हूं कि इसमें जो लड़की है, उसे 48 करोड़ कर्ज चुकाने हैं, जबकि उसे बिजनेस का कुछ पता नहीं है। काम पर कोई उसको सीरियसली लेता नहीं क्योंकि सबको भैया बोलती है। फिर अपने नेचर के विपरीत उसे चिल्लाना पड़ता है वो आज के वर्कप्लेस की मांग है। आपको बताऊं कि जब मैं असिस्टेंट था तो सेट पर हीरोइन, उसकी मम्मी और हेयरड्रेसर सिर्फ तीन औरतें होती थीं। बाकी चूड़ियों से लेकर कंटिन्यूटी तक सब हम खुद करते थे। आज सेट पर इतनी सारी लेडीज होती हैं, लेकिन आज भी मेरी लेडी कोरियोग्राफर या एडिटर बताती हैं कि पुरुषों को ऑर्डर देना कितना मुश्किल है। उन्हें उनके ईगो को मैनेज करना पड़ता है, तब काम होता है तो ये कहानी तो पुरानी होगी नहीं। अलग-अलग तरह से हम हर बार इसका सामना करते हैं।

आपने मैंने प्यार किया से लेकर हम आपके हैं कौन जैसी इतनी सारी कामयाब फिल्में बनाई हैं। आज के दौर में थिएटर में फिल्में जिस तरह संघर्ष कर रही हैं, मेकर्स कहां गलती कर रहे हैं?

हमारी गलती यह है कि आज मार्केटिंग पर जोर ज्यादा बढ़ गया है। सबकी नजर बस ओपनिंग डे, वीकेंड कलेक्शन पर रहती है। जबकि, फैमिली ऑडियंस संडे के बाद थिएटर में आना शुरू होती है। उनकी सोच ये होती है कि पहले सुन लो कि फिल्म कैसी है। मैं तब जाऊं जब पार्किंग की टेंशन न हो, ट्रैफिक कम हो। जबकि, हम लोग वीकेंड के बाद इंतजार ही नहीं करना चाहते। वीकेंड तक ही सब कमा लेना चाहते हैं और जब ऐसी सोच हो तो मेकर्स सुरक्षित रास्ता ही अपनाते हैं, लेकिन ये एक दौर है।

आप फैमिली वाली फिल्में बनाते हैं और आपकी फिल्मों के प्रेम यानी सलमान खान निजी जिंदगी में खुद बड़े फैमिली मैन हैं। आपको लगता है कि आप दोनों की रिश्तों की मजबूती में यह भी एक पहलू रहा?

सभी चीजें रहीं। जब आप किसी के साथ अपना करियर शुरू करते हैं तो वह रिश्ता ही अलग होता है। हमारी दोस्ती 20-21 की उम्र में शुरू हुई और तब से चल रही है। हममें बहुत सी बातें कॉमन हैं। हम दोनों परिवार के सबसे बड़े बेटे हैं। वह भी समान जिम्मेदारी महसूस करते हैं। हम एक ही वैल्यू सिस्टम में यकीन करते हैं। एक पीढ़ी से हैं तो यह एक साथ स्कूल जाने जैसा है। यह रिश्ता शब्दों से परे है।

पेट्रोलियम पदार्थों को लेकर राहुल गांधी जनता में फैला रहे भ्रम : गिरिराज सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों को लेकर राहुल गांधी पर जनता में भ्रम फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत में पेट्रोल-डीजल की कीमतों को नियंत्रित रखने का प्रयास किया है, जबकि वैश्विक स्तर पर इनकी कीमतों में 20-30 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हुई है। केंद्रीय मंत्री सिंह के अनुसार, केंद्र ने उत्पाद शुल्क को घटाकर आम जनता को राहत देने की कोशिश की है, जबकि राहुल गांधी इस मुद्दे पर लोगों को गुमराह कर रहे हैं और उनका ध्यान भटकाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने हिमाचल प्रदेश का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां राहुल गांधी के नेतृत्व वाली सरकार ने पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाए हैं, जबकि केंद्र सरकार आम जनता के हित में लगातार काम कर रही है। गिरिराज सिंह ने यह भी कहा कि दुनिया के कई देशों, यहां तक कि अमेरिका ने भी पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतें बढ़ाई हैं, लेकिन भारत में सरकार ने संतुलन बनाए रखने की कोशिश की है। इसके अलावा, गिरिराज सिंह ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि 15 वर्षों के शासन के बावजूद ममता बनर्जी रोजगार, गरीबी उन्मूलन और आवास जैसे मुद्दों पर स्पष्ट जवाब नहीं दे पा रही हैं। उन्होंने टीएमसी सरकार पर शिक्षकों की भर्ती में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि इस मुद्दे पर भी मुख्यमंत्री चुप हैं। गिरिराज सिंह ने यह भी सवाल उठाया कि क्या राज्य सरकार सातवां वेतन आयोग लागू करेगी और महिलाओं को आर्थिक सहायता देने की योजनाओं पर क्या रुख है। उनके अनुसार, ममता बनर्जी विकास और बेरोजगारी जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा करने से बचती रही हैं।

सैम पित्रोदा का आरोप... भारत ने इस संकट में 'नैतिक श्रेष्ठता' नहीं दिखाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय ओवरसीज कांग्रेस प्रमुख सैम पित्रोदा ने पश्चिम एशिया में जारी तनाव पर भारत की भूमिका को लेकर आलोचना की है। उनका कहना है कि भारत ने इस महत्वपूर्ण संकट में 'नैतिक श्रेष्ठता' नहीं दिखाई और वह 'अमीर व ताकतवर हमलावरों' के साथ खड़ा दिखाई दिया। उनके अनुसार, भारत को अपने पारंपरिक मूल्यों सत्य, लोकतंत्र, विविधता और मानव सम्मान पर आधारित संतुलित रुख अपनाना चाहिए था। पाकिस्तान द्वारा खुद को मध्यस्थ के रूप में पेश करने के दावे पर कांग्रेस नेता पित्रोदा ने कहा कि किसी भी देश को शांति स्थापित करने का प्रयास करने का अधिकार है। उनका मानना है कि जितने अधिक पक्ष शांति प्रयासों में शामिल होंगे, उतना बेहतर होगा, क्योंकि ऐसे जटिल विवादों में यह निश्चित नहीं होता कि कौन-सा प्रयास सफल होगा। जब पित्रोदा से पूछा गया कि जवाहर लाल नेहरु और राहुल गांधी के दृष्टिकोण के बारे में, तब उन्होंने कहा कि राहुल गांधी 'भारत के मूल विचार' के प्रतिनिधि हैं। यह विचार देश के संस्थापकों द्वारा स्थापित मूल्यों—सच्चाई, भरोसा, लोकतंत्र और सभी के प्रति सम्मान—पर आधारित है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह रुख किसी विशेष देश जैसे अमेरिका, पाकिस्तान, इजरायल या ईरान के खिलाफ नहीं, बल्कि सार्वभौमिक मूल्यों के पक्ष में है। नक्सलवाद के मुद्दे पर पित्रोदा ने कहा कि वह संवाद में विश्वास रखते हैं, न कि बल प्रयोग में। उनका मानना है कि इस समस्या की जड़ों को समझना जरूरी है—लोगों ने हथियार क्यों उठाए, यह जानना महत्वपूर्ण है। हालांकि उन्होंने हिंसा का समर्थन नहीं किया, लेकिन कहा कि समाधान के लिए सभी पक्षों के दृष्टिकोण को समझना और सहानुभूति रखना आवश्यक है।

पंजाब में 3-4 अप्रैल को तेज हवाओं, बारिश और ओलावृष्टि की चेतावनी जारी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब के मौसम में एक बार फिर बड़ा बदलाव देखने को मिलने वाला है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के चंडीगढ़ केंद्र ने राज्य के कई जिलों के लिए मौसम को लेकर चेतावनी जारी की है। विभाग के मुताबिक 3 और 4 अप्रैल को प्रदेश में तेज हवाओं, बारिश और ओलावृष्टि की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक 2 अप्रैल को पूरे पंजाब में मौसम साफ रहेगा। हालांकि 3 अप्रैल से मौसम करवट लेगा और कई इलाकों में मौसम खराब को मिलेगा। इस दौरान 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। मौसम विभाग ने 3 और 4 अप्रैल के लिए राज्य के अलग-अलग जिलों में ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया है। 3 अप्रैल को पठानकोट, गुरदासपुर, अमृतसर, कपूरथला, फिरोजपुर, जालंधर और तरनतारन में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं होशियारपुर, नवांशहर, रूपनगर, मोहाली, फतेहगढ़ साहिब, लुधियाना, मोगा, फाजिल्का, मुक्तसर, मानसा, संगरूर, बरनाला, पटियाला और बठिंडा में येलो अलर्ट रहेगा। इसी तरह 4 अप्रैल को फिरोजपुर, मोगा, फरीदकोट, मुक्तसर, फाजिल्का, बठिंडा, मानसा और बरनाला में ऑरेंज अलर्ट रहेगा, जबकि बाकी जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक 5 अप्रैल से मौसम फिर साफ हो जाएगा। विभाग ने लोगों से अपील की है कि खराब मौसम के दौरान सतर्क रहें और आवश्यक सावधानियां बरतें।

37 किलो सोने के मामले में फंस गए भाजपा विधायक, सत्येंद्र जैन ने की थी शिकायत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की एक अदालत ने भारतीय जनता पार्टी के विधायक करनैल सिंह के खिलाफ आपराधिक मानहानि का मुकदमा चलाने के लिए पर्याप्त आधार पाते हुए उनकी मुश्किलें बढ़ा दी हैं। यह पूरा मामला आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन की शिकायत पर आधारित है। शिकायत के अनुसार, करनैल सिंह ने सार्वजनिक रूप से दावा किया था कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सत्येंद्र जैन के आवास से 37 किलो सोना बरामद किया है। इसके अलावा, उन्होंने यह भी आरोप लगाया था कि जैन के पास भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग के जरिए अर्जित की गई 1100 एकड़ जमीन है। अदालत ने रिकॉर्ड पर लाए गए दस्तावेजों और सबूतों का बारीकी से अध्ययन करने के बाद पाया कि भाजपा विधायक द्वारा साझा की गई इन जानकारियों का ईडी की किसी भी आधिकारिक प्रेस रिलीज या दस्तावेज में कोई समर्थन नहीं मिलता है।

बीएसएफ जवान कैलाश चंद्र की सेवानिवृत्ति पर गांव में भव्य स्वागत, देशसेवा को किया नमन

सहड़ का बास में ढोल-नगाड़ों, गुलाल और साफा-माला के साथ अभिनंदन, समाज सेवा के लिए प्रेरित किया गया

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पचेरी।

सीमा सुरक्षा बल (BSF) के जवान कैलाश चंद्र पुत्र सूरजराम, निवासी सहड़ का बास, के सेवानिवृत्त होकर गांव पहुंचने पर ग्रामीणों द्वारा जोरदार और भावपूर्ण स्वागत किया गया। जैसे ही वे गांव की सरहद पर पहुंचे, सैकड़ों ग्रामीणों ने उनका गर्मजोशी से अभिनंदन करते हुए देशसेवा के प्रति उनके समर्पण को नमन किया। गांव की मुख्य सड़क से लगभग दो किलोमीटर पहले ही स्वागत जुलूस प्रारंभ हो गया, जहां डीजे की धुन पर ग्रामीण नाचते-गाते हुए, रंग-गुलाल उड़ाते और गाजे-बाजे के साथ कैलाश चंद्र को सम्मानपूर्वक उनके घर तक लेकर पहुंचे। पूरा माहौल देशभक्ति और उत्साह से सराबोर नजर आया। सरल, सौम्य और मिलनसार व्यक्तित्व के धनी कैलाश चंद्र की ग्रामीणों ने खुलकर सराहना की। इस अवसर पर एडवोकेट हरेश पंवार (संपादक, भीम प्रज्ञा न्यूज़) के नेतृत्व में उनका विशेष सम्मान किया गया। उन्हें डॉ. भीमराव अंबेडकर की तस्वीर, साफा एवं माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया तथा सेवानिवृत्ति के बाद समाज के सकारात्मक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में उपसरपंच धर्मपाल चौरा, सूबेदार संपत राम, सुंदरलाल, रामचंद्र, सिंह राम, राम सिंह, प्रेम कुमार, एडवोकेट मनोज पंवार, अशोक कुमार, शंकरलाल, रामजीलाल, जसवंत, बिशंभर, निक्कू, सीताराम, दिलीप पेंटर, नवीन पंवार, लीलाधर यादव सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने इस अवसर को गौरवपूर्ण बताते हुए कहा कि कैलाश चंद्र ने अपने परिश्रम से न केवल देश की सीमाओं की रक्षा कर गांव और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। जबकि परिवार की दयनीय स्थिति को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनका यह सम्मान आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा।

पंजाब भाजपा के मुख्यालय के बाद अब पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट को बम से उड़ने की धमकी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। चंडीगढ़ में पंजाब भाजपा के मुख्यालय के बाहर हुए ब्लास्ट के एक दिन बाद पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट को बम से उड़ने की धमकी मिली है। चंडीगढ़ पुलिस हेडक्वार्टर को आए ईमेल में धमकी दी गई है। ईमेल मिलने के बाद से पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं। सूचना मिलते ही पुलिस, बम निरोधक दस्ता और अन्य सुरक्षा एजेंसियों को तुरंत मौके पर भेजा। हाई कोर्ट परिसर और आसपास के इलाकों में संघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। इस बीच, चंडीगढ़ में आयोजित प्रेसवार्ता में बीजेपी के कार्यकारी प्रधान अश्वनी शर्मा ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यालय की सुरक्षा की जिम्मेदारी पंजाब पुलिस के पास थी। बीजेपी नेता शर्मा ने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी सरकार परोक्ष रूप से इसतरह के तत्वों के एजेंडे को आगे बढ़ा रही है, जिन्हें बाहर से फंडिंग मिल रही है। अब हमलावर घटनाओं के वीडियो बनाकर फैलाने लगे हैं, जो स्थिति की गंभीरता को दिखाता है। कुछ ताकतें पंजाब के सामाजिक ताने-बाने को कमजोर करना चाहती हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत मान से सवाल कर पूछा कि सरकार किन लोगों के प्रभाव में काम कर रही है। कानून व्यवस्था पर पहले ही बुरी तरह से घिर चुकी पंजाब सरकार के सामने अब बीजेपी मुख्यालय के बाहर हुए ब्लास्ट से मुश्किलें खड़ी हो गई हैं। इस ब्लास्ट के बाद मान ने कहा कि जब वह चंडीगढ़ को पंजाब की राजधानी बताते हैं, तब उन्हें गद्दार कहा जाता है। उन्होंने कहा कि बीजेपी को अपनी जिम्मेदारी खुद लेनी चाहिए और इस तरह की बेबुनियाद बातें नहीं करनी चाहिए।

गुजरात में आप की बढ़ती लोकप्रियता से भाजपा में घबराहट : केजरीवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को पत्र लिखकर उनसे मिलने का अनुरोध किया है। पत्र में केजरीवाल ने आरोप लगाया है कि गुजरात में पंचायत और नगर पालिका चुनावों से पहले पार्टी के कार्यकर्ताओं को बड़े पैमाने पर गिरफ्तार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बीते कुछ महीनों में 160 से अधिक कार्यकर्ता गिरफ्तार किए गए हैं और 10,000 से ज्यादा को गिरफ्तार करने की योजना है।

केजरीवाल ने पत्र में कहा कि आप की बढ़ती लोकप्रियता से भाजपा सरकार बौखलाई हुई है और इस कारण कार्यकर्ताओं के खिलाफ षड्यंत्र रचा जा रहा है। उन्होंने भाजपा पर स्थानीय निकाय चुनावों को जीतने के लिए पुलिस का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। पत्र में यह भी लिखा है कि पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ईशुदान गढ़वी को हाल ही में गिरफ्तार किया गया और देर रात छोड़ा गया, जबकि वह अपने कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी की जानकारी लेने थाने गए थे।

केजरीवाल ने बताया कि गिरफ्तारी का एक पैटर्न साफ दिखाई दे रहा है। सड़क पर स्कूटर या मोटरसाइकिल से आए कुछ लोग कार्यकर्ताओं को रोकते हैं, मारपीट और गाली-गलौज करते हैं, इसके बाद क्राइम ब्रांच तुरंत मौके पर पहुंचकर उन्हें गिरफ्तार कर लेती है। इससे प्रतीत होता है कि पुलिस इन गुंडों के फोन का ही इंतजार कर रही है। पत्र में उन्होंने कहा कि पिछले 30 सालों से भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार, अत्याचार और दमन से जनता परेशान है। आप पहली बार लोगों को एक मजबूत विकल्प प्रदान कर रही है। पार्टी ईमानदार, निडर और देशभक्त है और भाजपा से कोई समझौता नहीं करेगी। इसी कारण पार्टी की लोकप्रियता गुजरात में तेजी से बढ़ रही है। केजरीवाल ने उम्मीद जाहिर कि मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल जल्द ही उनसे और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान से मिलने का समय देने वाले हैं। ताकि इन मुद्दों पर चर्चा की जा सके।

अमित शाह की ममता बनर्जी को सीधी चुनौती

कहा- 15 दिन यहीं रहकर संभालूंगा चुनावी कमान

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के शंखनाद के साथ ही राज्य में सियासी पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया है। भारतीय जनता पार्टी के चाणक्य कहे जाने वाले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को ममता बनर्जी के गढ़ में हुंकार भरते हुए एक बड़ा ऐलान किया। नंदीग्राम में शुभेंदु अधिकारी के समर्थन में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने घोषणा की कि वे आगामी 15 दिनों तक लगातार पश्चिम बंगाल में ही डेरा डालेंगे और खुद चुनावी कमान संभालेंगे।

शाह ने ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा, पिछली बार दीदी नंदीग्राम में हार गई थीं और इस बार वह भवानीपुर के साथ-साथ पूरे बंगाल की सत्ता खो देंगी। उन्होंने दावा किया कि राज्य में सत्ता परिवर्तन की लहर चल रही है और जनता अब ममता बनर्जी को बाय-बाय कहने का मन बना चुकी है। शाह ने शुभेंदु अधिकारी के नामांकन को टीएमसी के पतन की शुरुआत बताया और कहा कि नंदीग्राम की जनता एक बार फिर इतिहास दोहराकर भ्रष्टाचार और गुंडागर्दी वाली सरकार को उखाड़ फेंकेगी। गृह मंत्री ने राज्य की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस ने घुसपैठियों को संरक्षण दिया है, जिससे बंगाल की जनसांख्यिकी बदल रही है। उन्होंने बेरोजगारी और आए दिन होने वाले बम धमाकों का जिक्र करते हुए कहा कि युवा अब बदलाव चाहते हैं। शाह ने वादा किया कि यदि भाजपा सत्ता में आती है, तो घुसपैठ पर लगाम कसी जाएगी और बंगाल को फिर से विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जाएगा।

गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल में 294 सीटों के लिए दो चरणों (23 अप्रैल और 29 अप्रैल 2026) में मतदान होना है। ऐसे में अमित शाह का 15 दिनों तक राज्य में रहकर प्रचार करने का फैसला यह दर्शाता है कि भाजपा इस बार बंगाल फतह के लिए अपनी पूरी ताकत झोंकने को तैयार है। चुनावी मैदान में सीधी टक्कर टीएमसी और भाजपा के बीच देखी जा रही है, जिससे आने वाले दिन बंगाल की राजनीति के लिए काफी निर्णायक होने वाले हैं।

असम में औवेसी... दमनकारी ताकतों से निपटने के लिए मुस्लिम समुदाय को मजबूत होना होगा

गुवाहाटी (एजेंसी)। अमस के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की कथित मनमानी पर निशाना साधकर ओवैसी ने कहा कि हालात बेहद खराब हैं। इस स्थिति में दमनकारी ताकतों से निपटने के लिए एआईएमआईएम के माध्यम से मुस्लिम समुदाय के नेतृत्व को मजबूत करना होगा। लोकतंत्र में सिर्फ नारे लगाने से काम नहीं चलता। हमें मतदान के माध्यम से सुनिश्चित करना होगा कि सरमा को उनकी प्रतिगामी राजनीति का स्पष्ट संदेश मिले। ओवैसी ने कहा कि इसके लिए हमें एकजुट रहना होगा। चुनाव के दिन मतदान करके आपको जवाब देना होगा। लोकतंत्र में आपका वोट एक शक्तिशाली हथियार है। उन्होंने आगामी चुनावों में भाजपा की कथित बढ़त के दावों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि हम इस पर विश्वास नहीं करते। हम यहां यह सुनिश्चित करने आए हैं कि एआईयूडीएफ के अधिक से अधिक उम्मीदवार विधायक बनें। हमारा प्रयास राज्य की राजनीतिक व्यवस्था को मजबूत करना है। ओवैसी आगामी विधानसभा चुनावों के लिए अखिल भारतीय संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (एआईयूडीएफ) के प्रचार अभियान से पहले बुधवार को असम पहुंचे। हवाई अड्डे पर एआईयूडीएफ समर्थकों ने उनका जोरदार स्वागत किया, पार्टी कार्यकर्ताओं ने नारे लगाए और उन्हें पारंपरिक असमिया गमोसा भेंट किया। रैली के दौरान, ओवैसी ने मुस्लिम समुदाय से यह सुनिश्चित करने का आह्वान किया कि एआईयूडीएफ के अधिक से अधिक उम्मीदवार विधायक बनकर विधानसभा तक पहुंचें। उन्होंने लोगों से समुदाय के हितों की रक्षा के लिए मतदान करने का भी आग्रह किया।

भड़काऊ भाषण देने के आरोपों का मल्लिकार्जुन खड़गे ने किया खंडन

-एमपी-एमएलए कोर्ट में अपने खिलाफ दायर पुनर्विचार याचिका का जवाब किया दाखिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राऊज एवेन्यू स्थित विशेष एमपी-एमएलए कोर्ट में अपने खिलाफ दायर एक पुनर्विचार याचिका पर जवाब दाखिल किया है। उन्होंने न सिर्फ आरोपों से इनकार किया, बल्कि पुनर्विचार याचिका पर सुनवाई कर रही कोर्ट के अधिकार क्षेत्र पर भी सवाल उठा दिया। यह मामला अप्रैल 2023 में कर्नाटक में हुई एक रैली में बीजेपी और आरएसएस के बारे में कथित तौर पर दिए गए भड़काऊ भाषण से संबंधित है। गुरुवार को इस मामले में दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई हुई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक खड़गे के वकील ने तर्क दिया कि विशेष न्यायालय के पास पुनरीक्षण याचिका पर सुनवाई करने का अधिकार क्षेत्र नहीं है। उन्होंने कहा कि पुनरीक्षण के लिए अधिकार क्षेत्र तीस हजारी कोर्ट के प्रधान और सत्र न्यायाधीश का है, न कि इस न्यायालय का। कांग्रेस प्रमुख पर समुदायों के बीच द्वेष फैलाने के जो आरोप लगाए गए हैं, इस संबंध में दाखिल जवाब में उन आरोपों से इनकार किया है।

विशेष न्यायाधीश जितेंद्र सिंह ने जवाब को रिकॉर्ड पर लिया और पुनर्विचार याचिका पर बहस के लिए मामले को सूचीबद्ध किया। मामले की अगली सुनवाई 15 अप्रैल तय की गई है। यह पुनर्विचार याचिका वकील रविंदर गुप्ता ने वकील गगन गांधी के जरिए दायर की थी। शिकायतकर्ता और आरएसएस सदस्य रविंद्र गुप्ता ने आरोप लगाया था कि खड़गे ने कर्नाटक में एक चुनावी रैली के दौरान आरएसएस और बीजेपी के खिलाफ भड़काऊ और नफरत फैलाने वाला भाषण दिया था। 11 नवंबर 2025 को तीस हजारी कोर्ट ने खड़गे के खिलाफ एक आपराधिक शिकायत खारिज कर दी थी। कोर्ट ने मामले का संज्ञान लेने से इनकार कर दिया और शिकायत को खारिज कर दिया था। इससे पहले, दिसंबर 2024 में कोर्ट ने खड़गे के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश देने से इनकार कर दिया था।

आंध्र चुनाव पर बड़ा विवाद! 6 सेकंड में एक वोट और आधी रात के बाद 17 लाख

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनाव 2024 को लेकर हाल ही में उठे विवाद ने सियासी और सार्वजनिक ध्यान खींचा है। दिल्ली में आयोजित प्रेसवार्ता में अर्थशास्त्री परकला प्रभाकर, वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण और पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एस.वाई.कुरैशी ने चुनाव आयोग के आंकड़ों में असामान्य पैटर्न की ओर इशारा किया। प्रभाकर का दावा है कि 3,500 बूथों पर रात 2 बजे तक वोटिंग चलती रही और कुल वोटों का लगभग 4.16 प्रतिशत रात 11.45 बजे से 2 बजे के बीच डाला गया। उन्होंने बताया कि आधी रात के बाद हर 20 सेकंड में एक वोट दर्ज हुआ, जबकि ईवीएम को रीसेट होने में 14 सेकंड लगते हैं।

चुनाव में चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी-नेतृत्व वाली एनडीए ने निर्णायक जीत हासिल की, जिसमें 175 सीटों में से 164 जीत दर्ज की गई। टीडीपी को 135 सीटें मिलीं, बीजेपी को आठ और पवन कल्याण की जन सेना को 21 सीटें मिलीं। मतदान प्रतिशत को लेकर भी विवाद है। 13 मई को शाम 5 बजे तक वोटिंग समाप्त होने के बाद मुख्य चुनाव अधिकारी ने 68.04 प्रतिशत टर्नआउट बताया, जो रात 8 बजे 68.12 प्रतिशत और रात 11.45 बजे 76.50 प्रतिशत कर दिया गया। अंतिम आंकड़ा चार दिन बाद 81.79 प्रतिशत जारी किया गया।

भूषण ने फॉर्म 17सी के पारदर्शिता की कमी पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बूथ पर डाले गए वोटों का डेटा मशीन-पठनीय रूप में उपलब्ध नहीं कराया गया, जिससे स्वतंत्र जाँच मुश्किल हो गई। उन्होंने वीवीपेट पर्चियों की अनिवार्य गिनती और रियल-टाइम बूथ-स्तरीय डेटा की मांग की। पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एस.वाई. कुरैशी ने फॉर्म 17सी और फॉर्म 20 का ऑडिट कराने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने पूछा कि यदि बूथ स्तर पर फॉर्म 17सी पर हस्ताक्षर और मुहर लगी है, तब अंतिम डेटा में विसंगतियां क्यों दिखाई देती हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि मतदान प्रतिशत उसी दिन सार्वजनिक किया जाए और बूथ-स्तरीय सारांश तुरंत जारी किया जाए। विशेषज्ञों का कहना है कि पारदर्शिता की कमी लोकतंत्र के लिए खतरा है। डेटा में असामान्य पैटर्न और आधी रात के बाद अचानक वोटिंग की तेज़ी जैसी घटनाएं गंभीर जांच की मांग करती हैं। चुनाव आयोग को इन मुद्दों पर स्पष्टता और ऑडिट के माध्यम से भरोसा बहाल करना आवश्यक है, ताकि मतदाता और लोकतंत्र दोनों सुरक्षित रहें।

भारत की अनूठी पहलः समुद्र से बिजली और मीठा पानी बनाने लक्षद्वीप में बन रहा दुनिया का पहला ओटेक डिसेलिनेशन प्लांट

समुद्री तापमान से ऊर्जा उत्पादन के साथ ही पेयजल संकट का होगा समाधान

नई दिल्ली (एजेंसी)। वैश्विक जल संकट के बीच भारत एक अनोखी तकनीकी पहल के साथ समाधान की दिशा में बड़ा कदम बढ़ा रहा है। लक्षद्वीप के कवरत्ती द्वीप पर दुनिया का पहला ओटेक आधारित हाइब्रिड डिसेलिनेशन प्लांट तैयार किया जा रहा है, जो समुद्र की लहरों और तापमान के अंतर से एक साथ बिजली और मीठा पानी बनाएगा।

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार दुनिया की करीब आधी आबादी साल में कम से कम एक महीने गंभीर जल संकट का सामना करती है और हर चौथा व्यक्ति शुद्ध पेयजल से वंचित है। ऐसे में समुद्री पानी को पीने योग्य बनाने की तकनीक पर कई देश काम कर रहे हैं, लेकिन भारत का यह प्रयोग उन्हें एक कदम आगे ले जाता है।

यह परियोजना नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओशन टेक्नोलॉजी (एनआईओटी) द्वारा विकसित की जा रही है, जो पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अंतर्गत काम करता है। यह प्लांट ओटेक (ओसियन थर्मल एनर्जी कन्वर्सन) तकनीक पर आधारित है, जिसमें समुद्र की सतह के गर्म पानी और गहराई में मौजूद ठंडे पानी के तापमान के अंतर का उपयोग कर ऊर्जा पैदा की जाती है। इस प्रक्रिया के दौरान ही समुद्री पानी को शुद्ध कर पेयजल में बदला जाएगा। इसके लिए करीब 3.8 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बिछाई जा रही है, जो समुद्र की गहराई (लगभग 1000 मीटर) से ठंडा पानी सतह तक लाएगी।

विशेषज्ञों के मुताबिक, यह दुनिया का पहला ऐसा प्लांट होगा जो 24 घंटे लगातार बिजली उत्पादन और जल शुद्धिकरण दोनों कार्य एक साथ करेगा। इससे पहले लक्षद्वीप के आठ द्वीपों पर एलटीटीडी (लो टेम्परेचर थर्मल डिसलिनेशन) तकनीक के प्लांट काम कर रहे हैं, लेकिन ओटेक आधारित यह हाइब्रिड मॉडल एक बड़ा तकनीकी उन्नयन माना जा रहा है।

लक्षद्वीप जैसे द्वीपों में भूजल स्तर कम होने और खारे पानी की समस्या के कारण पेयजल संकट लंबे समय से बना हुआ है। ऐसे में यह परियोजना स्थानीय लोगों के लिए विश्वसनीय जल स्रोत के साथ-साथ ऊर्जा आपूर्ति का भी स्थायी समाधान बन सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह परियोजना सफल होती है, तो यह न सिर्फ भारत बल्कि दुनिया के अन्य तटीय और द्वीपीय क्षेत्रों के लिए भी एक मिसाल साबित हो सकती है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित,
मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, —mail bheempragya@gmail.com